

Vol I
No 19



Thursday
26th March 1958

HYDERABAD LEGISLATIVE ASSEMBLY DEBATES

Official Report

CONTENTS

THE HYDRABAD LEGISLATIVE ASSEMBLY

Thursday the 20th day of March 1958

The House met at Ten of the Clock

[Mr. Speaker on the Chair]

Starred Questions and Answers

Mr. Speaker We shall now take up the questions

Aided Schools

*208 (85) Sh. M. Bujal (Sapur) Will the hon. Minister for Education be pleased to state

(a) The total number of Aided Middle Schools in the State?

(b) The total recurring expenditure incurred on the Aided Middle School at Bellampalli?

(c) The total expenditure borne by Government and by the authorities of the Colleges respectively?

श्री देवीलिंग बन्नाय (सिसय मंत्री)

(अ) हैदराबाद स्टेट में जो अडेड मिडिल स्कूल (Aided Middle Schools) चलाए जाते हैं वह कुल ४१ हैं जिसमें से २६ स्कूलों के लिये और १५ स्कूलों के लिये हैं

(बी) बल्लमपल्ली में जो अडेड मिडिल स्कूल है उसकी कुलमत की तरफ से ११८८ रुपये की छात्राग्रा विमबाध दी जाती है

(सी) सिसपर जो बल्लमपल्ली होते हैं उसमें से १६ रुपये वाली कुलमत की तरफ से लिये जाते हैं और १५ रुपये वाली कॉलेज के अथॉरिटीज (Authorities) करते हैं

— سرری کو مال ڈیو سیکل کے نام سے لکھ کر

श्री देवीलिंग बन्नाय — यह कपलीटली (Completely) पब्लिक की नॉमिनेटेड कमिटी (Nominated Committee) होती है और बूझके ही हाल में बिहका मनेजमेंट (Management) होता है

— سرری کو مال ڈیو سیکل کے نام سے لکھ کر (کہاں) ہانڈ سیکل کو کہ سب سے زیادہ سامی جانی

श्री बेबीलिंग बन्हाण — जिन सिनडिकेट्स एकादश बेटे समग्र दूर छात्रा शिक्षा पाता ह और छात्र न तीन बार बार प्रेंट भी जाती ह।

سری کوٹل راڈ اکوٹے ڈ آ لی راس — وام س ڈ مارس نو
سہ ماہی کات وب پر می ملی ملی وب کر اے اس لیے ڈ می وب کی
جوا وب جو دہائی

श्री बेबीलिंग बन्हाण — बायसा दो वही छरीबा ओगल्यार किया गया ह कि प्रेंट देने के पहले दूसरे छात्रा शिक्षा देल जाये ह।

سری ام بھا ڈا ہام لی مل اسکول کے اے بی آ کے اس کوئی سکال
وصول دی ہے

श्री बेबीलिंग बन्हाण — गवर्नमन्ट को बिस्वा बिस्व गही ह।

LARGE CRIMINALS

*200 (108) Shri Ch Vinkabama Rao (Karimnagar) Will the hon Minister for Education be pleased to state

(a) Whether any trained matriculates or trained middle passed teachers are working in the Education Department with false certificates?

(b) Whether the cases of false certificates were brought to the notice of Inspector of Schools Karimnagar?

(c) If so then number?

(d) What action the Government have taken in such cases?

श्री बेबीलिंग बन्हाण

(जे) गवर्नमन्ट को बिस्वा गोली बिस्व गही ह।

(बी) हां जामी गयी थी।

बड़े बिस्व बिस्व बसूत हुने ह। बिस्ववा पाबाब हू कि बाठ केसेस बसूत हुने ह।

(डी) जूनपर ओ जेनधान किया गया यह बिस्व प्रसार ह। जूनमसे पांच को नाम पर से बलाहिया कर दिया गया ह बरक अबसॉन्ड (Abscond) हो गया ह जूनमी बिस्व जेरेपोर ह छात्रवा बावमी सिककिन्ड (Sick leave) लेकर गया ह यह भी बिस्व जेरेपोर ह और बाठवेको ससपेन्ड (Suspend) कर दिया गया ह और जूनमे बारमे पुछवाक जाती ह।

شرعی سی ایج ویکٹر اماراڈ 4 سکاس کپ وصول ہوں اور آپس
کپ لاکھا؟

श्री शेरशिंग बन्हाण — बिसके शिव वो बल्लव मोदीस की बकल ह बिसके लकसिमल अभी हमारे पास नहीं है।

سری می ایج وینکٹ دامارائ حب سلسلہ ۸ میں وصول ہوئی ہیں تو
چھوٹے سرعکس کی سزا عسائی کے لئے آٹھ ۱۵ پروسچر لکھا ۱۵/۱۵/۱۵؟

श्री शेरशिंग बन्हाण — तरीका वो यही बकलियार किया गया ह कि बूट सर्टिफिकेट हो तो बूसपर बोलवान किया जाता है।

سری می ایج وینکٹ دامارائ حب ۸ سکائی وصول ہوئی و ۹ دلیل
او وہ کے طور ۱۵ میں ہوئی تو آٹھ ۱۵ مکرر اسلئے کے لئے آخر کم طرمہ
لکھا مارک ۱۵؟

श्री शेरशिंग बन्हाण — बाबते हाकिमाल व बिसके सिने प्रोसीजर (Procedure) मोबूब है और बूसके एहत ही बोलवान किया जाता ह।

سری کے ایل پروسچور رائل (ٹالو ام) کا حصے کے حکم میں جاری
کے لئے کے ڈون کا پہہ کمانا ۱۵؟

श्री शेरशिंग बन्हाण — बूसको तो बिलका बिलम नहीं ह।

MEDIUM OF INSTRUCTION

*210 (807) *Shri Shershing (Kumbhal)* Will the hon Minister for Education be pleased to state

(a) The number of schools in Adilabad district with Telugu Marathi and Hindusthani as medium of instruction?

(b) The number of schools having both Hindusthani and any other regional languages as medium of instruction?

श्री शेरशिंग बन्हाण — (क) और (बी) का जवाब टबल पर रखा गया ह किन्तु मैं बाबते बाबकारीके बिल बहा पक देता हू।

स्कूलों के प्रकार

भाषा माध्यम

	रेन्गू	मराठी	हिंदुस्थानी	रेन्गू	मराठी	रेन्गू
		बीर	बीर	बीर	बीर	मराठी
		हिरवाणी	हिरवाणी	हिरवाणी	हिरवाणी	हिरवाणी
	१	२	३	४	५	७
हायस्कूल					२	१
जिबन स्कूल		१	१		४	३
मायमरी स्कूल		१९९	५९	१	१८	१
स्पेशल स्कूल]		७				
बनसपरिमेट स्कूल		१७	११			
म्याल्ड्री मेडेन स्कूल		२२	१२			
कुल		२९९	१५	१	२४	५

NUMBER OF VACANCIES

*211 (851) *Shri L K Shroff (Rashtreeya)* Will the hon Minister for Education be pleased to state

(a) The number of vacancies of graduate teachers during 1952-58?

(b) The reasons for not filling the above vacancies so far?

(c) Whether it is a fact that some graduates who were selected by the D P I in July last were not posted in spite of the vacancies?

श्री रेविलिंग बन्नाय — (बे) बी वेकनसीज (Vacancies) बी कुलबी ताबाब १२४ बी।

(बी) बीर (सी) का जबाब यह है कि ९ वेकनसीज अभी भरी नहीं। जिसकी वजह यह थी कि कुलमें से ९ कैंडिडेट्स (Candidates) का सिलेक्शन जून १९५२ में किया गया था। लेकिन मन्त्री के सम्बन्ध (Subject) बी व के विषयों के लिए ४ यह भरवाये के लिए

जकरी नहीं बं बिस शिव यू हे नहीं किया गया। बाकी बची ३ अगरहो पर बिसबिस ठककर नहीं किया गया क्योंकि बूसन से वो रिट्रेंच (Retrenched) भोगो के किय रबी नहीं बी बीर अक बिपाटमट के मुबारको से बिसो बी। बिघटरहू बिनकी ठकरील ह।

میری اس رہائی کے مارے سے حکا حاب ڈی پی آئی لے لے لے ؟

श्री बेबिंसिंग बन्हाण — १ मुबारकी व बिनका बपाबिटनट (Appointment) बी पी बाय ने किया।

میری اس رہائی (کلمہ) لانا کے مناسب آئے ہیں نہ وہ کسی طرح میں کام میں کر سکتے ہیں ؟

श्री बेबिंसिंग बन्हाण — जेने सो बची अब किया बि वो ठकजकट पडान के बिस बाहिय से वो रही पडा ठकते से।

श्री सन्नाबीराब बन्हाण (परमबी) — क्या बिन बीन के बिस अबबुटाबिमिबेट (Advertisement) दिया गया बा ?

श्री बेबिंसिंग बन्हाण — बिघकी बकुरत नहीं बी।

Shrs L K Shroff Is it the considered opinion of the Government that the retrenched personnel from the Customs Department and the Civil Services Department who have put in 15 or 20 years of service should be taken by the Education Department ?

श्री बेबिंसिंग बन्हाण — बिस ठरहू से ब सबास पूछा गया ह बूस ठरहू से बूसपर हुकूमतन बीर नहीं किया ह। बाकिमास में अगर ठककर नहीं हो सका तो दूसरे बिपाटमट न कोबिच की बादी ह।

Shrs L K Shroff The hon Minister has just now said that 2 retrenched personnel have been taken into the Education Department

श्री बेबिंसिंग बन्हाण — मेरे कहते बा सतबब कस्टम बिपाटमट से ही बीर नहीं बा।

HEAD MISTRESS — A T B PATIENT

*212 (368) *Shrs Vishwas Rao Patel (Paranda)* Will the hon Minister for Education be pleased to state

(a) Whether it is a fact that the Head Mistress of Government Girls Middle School of Osmanabad is suffering from T B ?

(1) Whether she is considered to be fit to discharge the duties of her post?

سری ویشواکشی — (ب) یہ سمجھا جاتا ہے کہ جی ہاں۔

(د) جی ہاں۔

سری ویشواکشی — (د) جی ہاں۔

سری ویشواکشی — جی ہاں۔

سری ویشواکشی — (د) جی ہاں۔

سری ویشواکشی — (د) جی ہاں۔

سری ویشواکشی — (د) جی ہاں۔

سری ویشواکشی — (د) جی ہاں۔

سری ویشواکشی — (د) جی ہاں۔

سری ویشواکشی — جی ہاں۔

NON RECEIPT OF SALARY

*218 (402) *Shri G Hanumanth Rao (Mulug)* Will the hon Minister for Education be pleased to state

(a) Whether it is a fact that the teachers of Andhra Vignana Vaidhani Middle School Bachannapeta are not receiving their salaries regular since October 1952?

(b) Whether any representation has been made in this regard?

(c) What action has been taken thereon?

سری ویشواکشی — (ب) جی ہاں۔

(د) جی ہاں۔

سری ویشواکشی — (د) جی ہاں۔

سری ویشواکشی — (د) جی ہاں۔

سری ویشواکشی — (د) جی ہاں۔

श्री बेबीलिंग बन्धुन — वही कोबी कपलट (Complaint) बहुत नहीं होती है।

श्री श्री डी डिसाल्टे का जवाब है कि गैरसुख तो अकुर से
आता है ?

श्री बेबीलिंग बन्धुन — वही कोबी शिकायत नहीं है।

श्री श्री डी डिसाल्टे का जवाब है कि इस आदमी को सरकार की तरफ से क्राफ्ट
आता है ?

श्री बेबीलिंग बन्धुन — हाँ, वही आती है।

श्री श्री डी डिसाल्टे का जवाब है कि मैं इस आदमी के बारे में नहीं जानता
किस तरह का है ?

श्री बेबीलिंग बन्धुन — जब वह घाट की आती है तो उसके पास के मास्टिड अकाउंट
(Audited Account) बगल में है और वह विलास बेककर घाट की आती है।
घाट में वह बहुत बड़ा बगीचा है और वहाँ बहुत बड़े बगीचे हैं।

श्री श्री डी डिसाल्टे का जवाब है कि मैं इस आदमी के बारे में नहीं जानता ?

श्री बेबीलिंग बन्धुन — होती तो है।

श्री श्री डी डिसाल्टे का जवाब है कि मैं इस आदमी के बारे में नहीं जानता ?

श्री बेबीलिंग बन्धुन — जिसके शिव मोदिया दिया था।

श्री श्री डी डिसाल्टे का जवाब है कि मैं इस आदमी के बारे में नहीं जानता ?
(Question) मैंने कहा है कि मैं इस आदमी के बारे में नहीं जानता ?

श्री बेबीलिंग बन्धुन — जिसकी बहुत बड़ी संपत्ति है। यह सब काम श्री श्री डी डिसाल्टे
करते हैं।

श्री श्री डी डिसाल्टे का जवाब है कि मैं इस आदमी के बारे में नहीं जानता ?

श्री बेबीलिंग बन्धुन — मुझे नहीं पता है।

श्री श्री डी डिसाल्टे का जवाब है कि मैं इस आदमी के बारे में नहीं जानता ?

श्री श्री डी डिसाल्टे का जवाब है कि मैं इस आदमी के बारे में नहीं जानता ?

NUMBER OF TEACHERS IN ADILABAD

*214 (804) *Shri Shrikhar* Will the hon Minister for Education be pleased to state

(a) The number of untrained and non matriculate teachers working in the schools of Adilabad district ?

(b) Rs 79 754

Shri Maqsum Mohiuddin (Huzurnagar) —Who lives in Bellavasta Palace?

Dr G S Melkote The Prince of Berar

سری مخدوم محی الدین کا اس ڈاکراہ وصول ہوگا ؟

Dr G S Melkote Till 1951 no rent was collected. We have decided to collect at Rs 8 500 a month including furniture rent from 1951.

سری مخدوم محی الدین جس طرح انک طرف و چھوٹے چھوٹے ملاز بر کا الوس کرایہ کل مذکور ہاگا اور سی آئی ی کوارٹر کا کرایہ ڈبل (Double) کر دیا گیا اسی طرح کہ یہ اس آف ہاؤس کے مکان ڈاکراہ بھی ڈبل کیا جا گا ؟

Dr G S Melkote This matter was under discussion then we have decided to collect. We will certainly collect.

شری مخدوم محی الدین میرا سوال یہ ہے ڈاکوڑہ کی اس سلسلہ میں 15 بائیس رہ گئی جس طرح سی آئی ی کوارٹر (CIB Quarters) کا کرایہ ڈبل کر دیا گیا ہے اسی طرح اس آف ہاؤس کے مکان کا کرایہ بھی ڈبل کیا جا گا یا نہیں کیا جا گا ؟

Dr G S Melkote This question does not arise. I just now said that till 1951 no rent was collected. It was only after the Democratic Government came to power that it decided to collect. We want to collect it with retrospective effect at Rs 8 500 a month.

شری مخدوم محی الدین لیکن اس سلسلہ میں ایسی کیا ہے ؟

Dr G S Melkote Each case will be decided on its own merits.

سری مخدوم محی الدین اس کی ختم (Merits) کا کوئی سوال نہیں ہے۔ میں یہ دریافت کرنا چاہتا ہوں کہ کس ہر اس آف ہاؤس کے کرایہ 1 کی ہیں ؟ اگر ہے تو جس طرح دوسرے کرایہ داروں کے ساتھ عمل کیا جاتا ہے ؟ اس کے ساتھ عمل کیا جائیگا یا نہیں ؟ اس میں میری کیا کیا سوال ہے ؟

حیف منسور (فریڈی رام کشن رائے) جنل سروسز کو ملحوظ کر رہے ہیں سی آئی ی کوارٹر (CIB Quarters) اور وہ پرنسپل اراٹھار (Particular House) جس میں ہر اس آف ہاؤس کو بھی یہ احاطہ دیگی ہے ان دونوں

میں کری الونی (Analogy) میں گریہ مال میں سے ع تک
 لاکسی کراہ کے اول نو اس میں رہے کی لغات دیکھی ہیں حوند گوشت فارم
 (loam) حوند کے بعد کراہ وصول ٹیپے کی کوپس کی گئی او اس
 کوڑی ایکم ایکم (Retrospective effect) دنا ہ ڈ سے ع
 سے یہ حساب (م) رو ہ وصول ڈے ہ حصہ کنا گرا ہے اس لیے ی آئی ی
 کوڑا میں کے سوال کہ اس ہ ال سے لاکر کراہ ڈیل ڈے کے معلی حو پوجھا جا رہا
 ہے اوس کا کوڑی معلی میں ہو سکتا

شری مخدوم علی الدین ال معلی ہے یا شہر معلی اس کا حصہ ؟ مل اسکو
 لربا بیکے مال شہر معلی کہتا ہے ؟ میں طرح سی ی ی کوڑا میں سرکاری ملکیت
 ہے ہلاو ہ میں رکائی ملک ہے جائے اوس میں ہ میں ف رار رہی ہ رار ہ پکر
 عمر رہے اگر رار پکر عمر رہے وٹرا ہ ڈیل کیا جاتا ہے لکی میں اک رار کی کیا
 ہ ہٹ ہے کہ اول کے ساتھ خاص ملوک کیا جاتا ہے ؟

شری بی رام کمن راڈ خاص ملوک میں ہے کہ رار کراہ ساکا گیا ہے
 (م) روہ کراہ ٹکس (Tax) کر کے کراہ طلب کیا جا رہا ہے میں
 اس ملوک ہے

شری دس لال کولچہ (انو) اس ام میں کی قیمت کیا ہے ؟

میری بی رام کمن راڈ وس دھالے نو ہ اب دوکا

شری میں سمب راڈ ارٹ (ی) کا ہ اب میں ہاگا

Dr G S Melkote I have already said that the expenditure was Rs 79 754

Shri V D Deshpande Was it incurred after the Police Action ? I have got figures with me But that is much more than what the hon Minister has stated now

Dr G S Melkote Yes it was spent after the Police Action

شری وی ڈی دیشپانڈے اس خرچہ میں ہ فنگ پول (Swimming pool) کی
 کی ہواں ہلے کے ہ احاط میں شامل ہیں

Dr G S Melkote For the upkeep of Bellavasta Palace there is an annual grant of Rs 82 500 There are certain allied buildings attached to the Palace That is also under the maintenance of the Government During October, 1949 to March 1950 we have spent 10 thousand rupees on the upkeep of the Palace and Rs 2 810 on the allied buildings

in 1950-51 we spent Rs 21 710 on the Palace and Rs 2 084 on the allied buildings in 1951-52 we spent Rs 29 121 on the Palace and on the allied buildings Rs 1 840 In 1952-53 we spent Rs 10 043 on the palace and Rs 1 611 on the allied buildings Thus the total comes to Rs 79 754 All this come within the sum allotted for maintenance viz Rs 82 500 per annum

شری وی ڈی داسالڈے : لاویہ سے جو لاکھیں چلے ہوئے ہیں اول یہ کہتا ہے کہ کڑا اور اب یہ بلدیوں کے صوبہ میں ہے ؟

Dr G S Melkote I have just now given the amounts spent on the attached buildings of Bellavista Palace

شری اچاری رائے گراؤ : جو کہ کڑا کیا اوس کے مدحو کڑا یہ وصول کیا جا رہا ہے اس کے سلسلے کا حکومت یہ سمجھتی ہے کہ وہ کاں ہے ؟

Dr G S Melkote Certainly

شری امداس رائے (نادگر محوط) کیا آؤمل سسر فار حصہ نہ کرتے ہیں کراہہ لیا جاتا ہے ؟

Mr Speaker How does this question arise ?

(Laughter) شری محمدم عی الدی : حاکم سارکا کوں گھر میں ہیں

DALITH JATHIYA CONFERENCE

*216 (406) *Shri M Buchiah* Will the hon Minister for Finance be pleased to state

(a) Whether the Government has contributed any amount to Social Service Department for the Dalith Jathiya Conference held at Hyderabad during January 1958 ?

(b) If so, what is the total amount ?

Dr G S Melkote (a) Yes

(b) Rs 10 000

Mr Speaker Let us proceed to the next question

INDUSTRIAL TRUST FUND

*217 (407) *Shri Gopal Rao Ekbote (Chaderghat)* Will the hon Minister for Finance be pleased to state

(a) The total amount under the Industrial Trust Fund ?

(b) The amount of loans advanced so far ?

(c) The names of persons or concerns to whom loans have been advanced ?

(d) The amount of loan advanced to Nirmal Toys ?

(e) The amount Mrs Hydari is drawing from the account of Nirmal Toys and why ?

Dr G S Melkote This question has been referred to me by mistake. The concerned Minister will answer it.

शासित्व शुभोग तथा अन विमान मणी (बी विनायकराम विद्यालकार) —

(बे) विमलटुयम टुस्ट फड १ काक कय हाली से १९५२ शुरू किया गया। और और लिटेरेस्ट कोल और रोवड बि हुकट मनजिम सेन-सी कमिशन यह सब मिताकर १ मसिम १९५२ को कुक रेकम ५ १ ४६५२५ खय हुयी बी।

(बी) बन लण को कोस (Loans) दिये गय यह हाजी में १७१ ९१ ७५ खय और कलवार में ११ ८७ खय दिय गये।

(सी) ये कोस फिम फिम को दिय गय शुभगी लिस्ट पड वेता हू। लेकिन शुभने पहले निमल विमलटुय के बारे में को काक सवाल पूछा गया हू बुलका जवान वेता हू। निमल टोयिज विमलटुय (Nirmal Toys Industries) के किये बिना शुरू १ करोड खय मचूर किय है और शुभय से अबतक २ हजार खये दिये गये हू। काकी एक्कम बेकरेके मुताबिक बी बापगी।

(बी) मिसेज हैदरी को माहवार २५ खये लकबाह बी जाती है और १ मोटर काराबुन्स दिया जाता हू।

(डी) अब न लिस्ट पड वेता हू।

Statement showing the position of loans to Industrial Concerns as at 1st April 1958

Srl No	Name of the Company	Amount of loan repaid	Balance
1	Bio-chemical & Synthetic Products Ltd	RS 800 000 0 0	800 000 0 0
	do	184 000 0 0	184 000 0 0
2	Dr. Porcelain & Pottery Co Ltd	270 000 0 0	270 000 0 0
	do	18 000 0 0	18 000 0 0
3	The House of M. H. Ltd	807 104 11 0	807 078 0 4
4	Hyd Oil & Ref. Co. Ltd	75 000 0 0	75 000 0 0
5	Hyd Tanneries Ltd	800 000 0 0	800 000 0 0
6	Hyd Vegetable Fertilizer Ltd	IG Rs 10 00 000 0 0	10 00 000 0 0

श्री विनायकराव विद्यालंकार — जिन कम्पनीय को खोज दिया गया है उनकी प्रापर्टी (Property) बड़ गोन से खोया है यह खोज अपनी प्रापर्टी में से बचूक हो सकता है बचन का हर नहीं है

سری گوئل راڈ انکوئے کے کہ جس میں باہمی کمپنی کی ہے کہ
نورہ میں ہمارے آنا و اسی کام کے لیے سہا مل ہونا ہے جس سے کہ وہ نا
ہے ؟

श्री विनायकराव विद्यालंकार — जगपर जगदर गिरानी रखती है कोनी सास निग रानी गही रखी है

श्री रतनबाब कोटवाल — निम्न बिबस्ट्रीय को (I & I') में से कैसे खोज दिया गया ।

श्री विनायकराव विद्यालंकार — यह जो खोज गिरानि को दिया गया है यह सास खीर खपर दिया गया है कोबापरेटिह पर गही दिया गया है ।

श्री रतनबाब कोटवाल — जगर कोबापरेटिह सोसायटीय पर फाउण बिबस्ट्रीय कोनी जायें हो क्या टीन मिलेसोन मिलेबा ?

श्री विनायकराव विद्यालंकार — बाब हो बाब हो अब कोबापरेटिहज को मयत देने के लिये गही बकि मेजर बिबस्ट्रीय को मयत देने के लिये मगाबा गया है

कोबापरेटिहज को जिससे खोज दिया गही हो जाती है कोबापरेटिहज को बूखरी तरह बिमबाब हो जाती है । केचिन अभी अभी बिबस्ट्रीय को बिमबाब देने के लिये अब फाय गानसोन कारपोरेसन (Financing Corporation) खपार किया गया है । बिबसे अब बाब हो अब को कम काम रहेगा हो अब बिबसे कोबापरेटिहज को बिमबाब मिलने के बारे में सोचा जा सकता है

سری کسب راڈوا گھارے (کلر محوط) میں رکھو (۲) لاکھ ۵۰۰ روپے کا
کا ہے سرکرہ یہ ہو ؟

श्री विनायकराव विद्यालंकार — टीन बार महिने होयवे खुनबा अब मयूर हुआ है केचिन अभी तक दिया गही गया है

سری کسب راڈوا گھارے میں ۵۰۰ روپے کا ہے ہا ہوں کہ ہم دیکر کام کر رہے ہوں ؟

श्री विनायकराव विद्यालंकार — यह कय खुन के पास हैं या खुनकी सीमत का माक खुनके पास है ।

سری سید جس (حید آباد میں) حید آباد ٹیپا روئے کا قرض ہا کا مہاوا
کسی تم دیکھی ؟

श्री विनायकराव विद्यालकार —बिहे साध कास रुपय मगूर किज नय हू और तीन कस रुपय दिय गय ह।

سرکی سی حسب رائے کمرے میں ہیں وہاں ہوا ہے
ہوئے گا آمل سسر سے وہ ہیں ؟

श्री विनायकराव विद्यालकार —कलीपर के बारेम हो मुझे मालम नहीं है बलबता मिलके प स को नमचनरी है वह बहुत बड़ी ह

*218 (408) *Shri Gopal Rao Ekbote* Will the hon Minister for Commerce & Industries be pleased to state

(a) Whether any report regarding the Industrial Trust Fund has been published ?

(b) Whether the same has been made available to the public ?

(c) If not for what reasons ?

श्री विनायकराव विद्यालकार (अ) जनरल मॅडमिनिस्ट्रेशन के साथ यह रिपोर्ट छूती ह और (बी) पब्लिक बुकको बेक सकरी ह (सी) यह सवाल पता नहीं होता

श्री गोपाळराव एकबोटे —जनरल मॅडमिनिस्ट्रेशन के रिपोर्ट के साथ बाबी टी जफ का जो हिस्सा बना हुआ छूता ह उसही थिफ क्या बालरेकस मबरो को निक सकता ह

श्री विनायकराव विद्यालकार —बनके साथ से न थिफ पर गौर करना

ADVISORY COMMITTEE OF INDUSTRIAL TRUST FUND

*219 (409) *Shri Gopal Rao Ekbote* Will the hon Minister for Finance be pleased to state

(a) The names of the Members on the Advisory Committee of the Industrial Trust Fund ?

(b) The number of meetings held during 1952 ?

(c) The number of cases in which the advice was accepted ?

श्री विनायकराव विद्यालकार —

(अ) बाबी टी जफ का काम बनाने के लिये ट्रस्टीज (Trustees) हैं जिनम कॉमर्स कालीगाम्ब और पी क्यू बी के टीव मिनिस्टर तथा कालीगाम्ब और कानर्स बिबस्ट्रीज के दो टेक्स्टरीज ह जिसके बलगाय सक जेबब मीबरी होब है जिनम जबर जॉस कॉमर्स की बरी बिस्टीटयुसन्स के बार मॅडर्स किये गय हैं जिनके नाम ह—राजा पन्नाकास पिरी सी लक्ष्मीचम कस्तानी बी जे ही म्पकटपच और बी जे बी बिदाजिया।

(बी) जसा मर कहा १९५२ म कोबी मेजर स्कीम (Major Scheme) नही की गयी थी लेकिन पा पुरानी बिजस्नीज की लोन दिया गया था मुसी जो तरफ ज्यादा ब्याल रहा । मेजर नवी स्कीम पावनी थी कि फायनास कास्टोरेसन विभाग पाव लेकिन कोबी नवी वररपास्त मुसन अ की बिस्कीकी तरफ ज्यादा ब्याल रहा और बिस लिय कोबी मीडिम नही बुलायी गयी ।

(सी) यह सवाल पया नही होवा ।

شرعی وی ڈی دسٹائنڈے
والی ہے ؟

बी विनायकराव विभागाकार फायनास कापस (Finance Corpus) को बननमठ ५ लाख रुपय देवी और ५ दूसरी की तरफ से बन होग मुसका कापस (Corpus) यह होवा ह कि दो जोर देन वाले ह और जो बनस कि ह के बनस रहेवा । बिज फंड की ओ दूसरी मकटी इंडीज (Activities) ह जसे बिज स्कीम ह या गस प्लांट (Gas plant) की स्कीम ह मुसको फनाया जाय यह भी बननमठ ना ब्याल है । अभी तक मवरन सवाल किया था कि काभापरेटिव बिजस्नीज (Co operative Industries) को बिचम से कुछ हिस्सा मिनावाला ह या नही तो बिचनी कास्टीटयूशन म बोबा बनस बरके कुछ हिस्सा बिचम से देने पर बिचार कि जायगा ।

شرعی ملنا کولور (سوزا پور) ڈی ڈی کے ۲۰۰۰ میں ۴۰۰۰ کے ہیں
المسرح ۹ نو ملنس کو بامالذکی دے کے ۴۰۰۰ کے میں ۲۰۰۰ کے میں ۹

बी विनायकराव विभागाकार —अक्टर बेंबर बिजस्नीजलिस्ट (Industrialists) होवे ह और बिजस्नीजलिस्ट बकर होवे ह । बी पिस्ती बकर हो हूँ लेकिन बिजस्नीजलिस्ट बी हूँ बी छसानी बिजस्नीजलिस्ट ह लेकिन बकर भी कहे जा सकते ह । बी अक्टराव के बारे म बाकिफ नही ह । और बी बलाकिया सो बकर नही ह लेकिन बिजस्नीजलिस्ट ह ।

شرعی وی ڈی دسٹائنڈے کم گاکہ ملن مک میں و المسرح
سجھ ۲۰۰۰ کے میں و ملن ڈسرح میں و مک سجھ ۲۰۰۰ کے میں ۴۰۰۰ کے میں ۹
بوجھا ۲۰۰۰ کے میں ۴۰۰۰ کے میں ۲۰۰۰ کے میں ۹

Mr Speaker —It is a matter of opinion

DELAY IN PAYMENT

*220 (808) *Shri Shrikhar* Will the hon Minister for Rural Reconstruction be pleased to state

(a) Whether he is aware that the grain merchants in Adilabad market do not pay the Aditdars for the day of the bidding but they have to wait for a week or two for the payment ?

(b) If so whether the Government will take steps for ensuring the speedy payment ?

سری وی ڈی دسبادے سوال ہے کہ میں کسی ر کرک
 دور میں کرک کی و ہے کہ میں ہوئوں ر میں ایک س ۷
 ؟ میں

श्री बेनीसिंग बख्खण — यह सवाल तो मूख बाजी (Body) व हम करा का है।

MARKET COMMITTEE OF PUNA

*222 (154) *Shri Bhagwan Rao Boralkar* (Basmath General)
 Will the hon Minister for Rural Reconstruction be pleased to state

(a) The number of meetings held by the Market Committee of Puna in Parbhani district during 1952-53?

(1) Whether it is a fact that complaints against some merchants have not been looked into for the last three months?

(c) If so what action do the Government intend taking in the matter?

(d) Whether the Chairman of Puna Market Committee attends every meeting in time?

श्री बेनीसिंग बख्खण —

(ब) पून मार्केट समिटी की कुछ ९ मीटिंग्स हुनी।

(बी) और (सी) कुछ शिकायतें जिसके बारे में बाजी थी। मूखन से अंक यह भी कि किसी अंक मूखन के सामने बीडिंग (Bidding) होता है। मूखन को वह कर के मार्केट आफिस के सामने बीडिंग (Bidding) कर के लिये हुषन दिये गये थे।

(डी) कुछ नही भी शिकायत बहुत हुनी है कि मूखन के बेबरमन वषट पर नहीं बाय बिबरमन कुछ मीटिंग्स नहीं हो सकी।

GRAIN BANKS

*228 (455) *Shri Bhagwan Rao Boralkar* Will the hon Minister for Rural Reconstruction be pleased to state

(a) The number of grain banks in Basmath and Parbhani taluqs of Parbhani district?

(b) The total quantity of grain stored in the godowns of aforesaid banks during the early period of the year?

(c) Whether any illegal use of the stock by some persons was detected?

(d) If so the names of the persons and the action taken against them?

श्री बशीरिंग बम्हान — (क) बस्मत टाक के म ४३ घन बरस ह और परमनी म ७४ ह ।

(बी) बस्मत टाक के म ५९१ व के और परमनी टाक के म १७२ पस्के जनाब ह ।

(सी) स्टॉक (Stocks) मिश्रबूज (Misuse) होन के बारे म कोबी शिकायत नही आमी ।

(डी) यह सचालीपना नही होला ।

PALM GUR SCHEME

*224 (201) *Shri M. Buchiah* Will the hon Minister for Commerce and Industries be pleased to state

(a) The purpose of Palm Gur Scheme ?

(b) The number of Palm gur Centres opened by the State Government under this scheme and what are then achievements so far ?

(c) The expenditure incurred so far and the strength of staff working under this scheme ?

श्री विद्यामकराम विद्याल्लार —

(जे) जब सरकार सहरी बी ठम यह घोषा गया था कि पान के रख से कुछ निकासी काम हो सकेगा होगा और यही घोष कर खुन बिनोम यह स्कीम निकासी गबी थी ।

(बी) जिससे तीन सेटस ह । सर्वेक्ष निहारेंडिमाल और परसनबैक । जिस तीन बगहो पर सेटस ह । अब ठम ७५ बाधमियो को पान के रख से किस तरह बनाया जाता ह जिसका ट्रेनिंग दिया गया ह । और कुछ लोगो ने खुदम काम भी शुरू किया है । लेकिन बफलोस है कि बहुत से लोग जिस बसे को छोडकर अपने पुरान ठाडी निकासी के बसे म फिर से लग गय ह ।

(सी) जिस स्कीम म गबनवट का ७१२९ जमा कर हुआ ह जिसम से बाधा कर केन्द्रीय सरकार का है और बाधा हमारा ह ।

(डी) हूबरबाब म कुल १२ लोग काम कर रहे ह । खुली ठमकाह का सब किस तरह से ह ।

	सकना	शेख
१ पान गुरु बागमाजीवर	१	१७ १६
२ मिस्ट्रुमटस	६	७५ १ ५
३ टॉपिंग मिस्ट्रुमटस	१	७५ १ ५
४ ठाडीपिस्ट	१	६५ १५५
५ बपरारी	२	२५ १
६ कामगार	१	२५ १

श्री अम बुचम्पा — किस स्कीम के तहत किसका मूत्र समार किया गया है ?

श्री विभागाध्यक्ष विद्यालक्षार — जिसकी जानकारी तो अभी सू नहीं दे सकता।

श्री अम बुचम्पा — क्या यह फायदेमंद साबित हुआ है ?

श्री विभागाध्यक्ष विद्यालक्षार — अभी तो यह स्कीम ने स्टज न है। आपकी मायूम होगा कि वो साल पहले एककर की स्केमरिटी (Scarcity) सारे हिन्दुस्तान में मान्य हो रही थी। मूत्र मकर यह चीज निकली कि जिससे फायदा मूठमा पाय। लेकिन आज जिस तरह से एककर की कीमत कम होती जा रही है वही होती रही तो मस भी उसी मात्राम होता है कि यह फायदेमंद साबित होगी या नहीं। दूसरी चीज यह है कि मद्रास और बंबई में सारी मस हो गयी। और कहीं वहां पर भी कभी यह हो पाय तो यह स्कीम मूत्र मकर नाम का रखती है कि जो लोग जिसमें पड़े हुए हैं मूत्रको कोली न कोली रोजगारी थी या छवे। ये वो चीज मूत्र है जिसके सहेत यह स्कीम निकासी गयी। लेकिन आज यह मरीजों के साथ नहीं कहा जा सकता कि यह फायदेमंद साबित हुनी है या नहीं। यह अभी सेक्युपेरीमेट (Experiment) के स्टेज (stage) न है। बहुत लोगों का क्या है कि साबुन टॉपी कहीं भीको के बनाने में दूसरे मूत्र के ज्यादा कारामद है। और जिस मस में अगर जिसका मूत्रमों दिया जाय तो यह सिस्टिड फायदेमंद हो सकती है।

श्री अम बुचम्पा — यह स्कीम आफिशियल बजानी जा रही है या गानआफिशियली ?

श्री विभागाध्यक्ष विद्यालक्षार — आफिशियली बजानी जा रही है।

श्री अमल रेडडी — ताब मूत्र और मस के मूत्र को तैयार करने कास्ट जाक प्रोबलन में किसका फक पड़ता है जिसको क्या मक जीट (Work out) किया गया है ?

श्री विभागाध्यक्ष विद्यालक्षार — जिसको वो मक जीट नहीं किया गया है। मस की शक्कर निकालने के जो पुराने तरीके थे मूत्रम कभी नये विभाफल हो मस हैं। जिसमें भी अगर मूली तरहसे मस विभाफल हुए तो यह भी सस्ती हो सकती है। लेकिन निमहास यह चीज सस्ती नहीं है।

श्री अम बुचम्पा — क्या सेरी का ऑफिशियल (Analysis) क्या है मससे और कोली चीज पैदा करने की कोशिश की गयी है ?

श्री विभागाध्यक्ष विद्यालक्षार — जिस मकर नहीं की गयी है। लेकिन मूले मायूमाल है कि सेरी से बास्कोहल निकालने की कोशिश की जा रही है। यह हमारे यहां नहीं लेकिन मूत्र में सेक्युपेरीमेट हो रहा है।

श्री अम बुचम्पा — क्या मिनिस्टर चाहते हैं कि सेरी से पेनीसिलीन तयार किया जा सकता है ?

Mr Speaker Let us proceed to the next question Shri K Venkiah

INSULATION OF WARANGAL DISTRICT

*225 (447) *Shri K Venkiah* Will the hon. Minister for Commerce and Industries be pleased to state

(a) Whether the Inspector of Warangal district visited Madhur taluq during 1952?

(b) If so the names of the villages he visited?

(c) The number of cases of keeping false weights and measures detected by him and the punishment awarded to the defaulters?

श्री कल्याणराव विशालकार —

(अ) जब वह वीर करने की मुफ्ती बघूटी है और बुनका यह काम है कि सालवार में जो बस्त दासके ने बरत बुनका वीर होना चाहिय। मसिरे के डिस्ट्रिक्ट में १९५२ के साल में जो बस्त वीर किया है वह बुन के माह में और बुरत बरतुबर में।

(बी) जिसके सिवा मुसमरी वीर मरेपल्ली का वीर किया है।

(सी) यह पक्का वीर का। जब वह हमारी पालिटी वह है कि शुरू में ही मेसेज नहीं की जाती पहले लोगों को बागाह करते हैं। बुनके बाब मुलाह किया जाय जो बुनके बरत में मेस (Measures) को है। बुनको स्टप (Stamp) करते हैं और बाब में मेसेज करते हैं। जिस किम मसिरा में जब वह बोली मेसेज नहीं हुकी है।

Further demands for Grants

Shri B Ramakrishna Rao Mr Speaker Sir I beg to move

That a sum not exceeding Rs 8 48 000 under Demand No 58 Miscellaneous be granted to the Rajpramukh to defray the several charges that would come for payment during the course of the year ending the 31st day of March 1954 The Demand has the recommendation of the Rajpramukh

Mr Speaker Motion moved

That a sum not exceeding Rs 8 48 000 under Demand No 58 Miscellaneous be granted to the Rajpramukh to defray the several charges that would come for payment during the course of the year ending the 31st day of March 1954 The Demand has the recommendation of the Rajpramukh

Shri B Ramakrishna Rao Sir I beg to move

That a sum not exceeding Rs 1 18 28 000 under Demand No 58 Miscellaneous be granted to the Rajpramukh to defray the several charges that would come for payment during the course of the year ending the 31st day of March, 1954. The Demand has the recommendation of the Rajpramukh.

Mr Speaker Motion moved

That a sum not exceeding Rs 1 18 28 000 under Demand No 58 Miscellaneous be granted to the Rajpramukh to defray the several charges that would come for payment during the course of the year ending the 31st day of March, 1954. The Demand has the recommendation of the Rajpramukh.

Shri B Ramakrishna Rao Sir I beg to move

That a sum not exceeding Rs 42 86 000 under Demand No 58 Miscellaneous be granted to the Rajpramukh to defray the several charges that would come for payment during the course of the year ending the 31st day of March, 1954. The Demand has the recommendation of the Rajpramukh.

Mr Speaker The Motion moved

That a sum not exceeding Rs 42 86 000 under Demand No 58 Miscellaneous be granted to the Rajpramukh to defray the several charges that would come for payment during the course of the year ending the 31st day of March, 1954. The Demand has the recommendation of the Rajpramukh.

Mr Speaker Those demands will be taken up for discussion on the 30th. Members can table cut motions if any by the 28th.

Supplementary Demands for Grants

Shri B Ramakrishna Rao Sir I beg to move

That a sum not exceeding Rs 4 90 000 under Supplementary Demand No 2 (Land Revenue 7) be granted to the Rajpramukh to defray the several charges that would come for payment during the course of the year ending the 31st day of March, 1958. The Demand has the recommendation of the Rajpramukh.

Mr Speaker Motion moved

That a sum not exceeding Rs 4 90 000 under Supplementary Demand No 2 (Land Revenue) be granted to the Rajpramukh to defray the several charges that would come for payment during the course of the year ending the 31st day of March, 1958. The Demand has the recommendation of the Rajpramukh.

Shri B Ramakrishna Rao Sir I beg to move

That a sum not exceeding Rs 1 99 922 under Supplementary Demand No 7 (25 General Administration) be granted to the Rajpramukh to defray the several charges that would come for payment during the course of the year ending the 31st day of March, 1958. The Demand has the recommendation of the Rajpramukh.

Mr Speaker Motion moved

That a sum not exceeding Rs 1 99 922 under Supplementary Demand No 7 (25 General Administration) be granted to the Rajpramukh to defray the several charges that would come for payment during the course of the year ending the 31st day of March, 1958. The Demand has the recommendation of the Rajpramukh.

Shri B Ramakrishna Rao Sir I beg to move

That a sum not exceeding Rs 10 08 000 under Supplementary Demand No 12 (54 Famine) be granted to the Rajpramukh to defray the several charges that would come for payment during the course of the year ending the 31st day of March, 1958. The Demand has the recommendation of the Rajpramukh.

Mr Speaker Motion Moved

That a sum not exceeding Rs 10 08 000 under Supplementary Demand No 12 (54 Famine) be granted to the Rajpramukh to defray the several charges that would come for payment during the course of the year ending the 31st day of March, 1958. The Demand has the recommendation of the Rajpramukh.

Shri B Ramakrishna Rao Sir I beg to move

That a sum not exceeding Rs 2 98 000 under Supplementary Demand No 18 (54 A Territorial and Political

Pensions) be granted to the Rajpramukh to defray the several charges that would come for payment during the course of the year ending the 31st day of March 1958. The Demand has the recommendation of the Rajpramukh.

Mr. Speaker: Motion moved.

That a sum not exceeding Rs. 2,98,000 under Supplementary Demand No. 18 (51A Constitutional and Political Pensions) be granted to the Rajpramukh to defray the several charges that would come for payment during the course of the year ending the 31st day of March 1958. The Demand has the recommendation of the Rajpramukh.

Shri B. Hanumanthiah Rao: Sir, with your permission I beg to move the other three supplementary demands.

Shri V. D. Deshpande: I want clarification on one point. Under Demand No. 7 there is an amount of Rs. 16,015 under charged account. Is not that demand going to be moved?

Shri B. Hanumanthiah Rao: I shall make the position clear. I have just now moved demands in respect of three items. These three items were shown in the statement of the Budget as charged items. That is payment to Jagadals and payment to H. L. II the Nizam in lieu of his Saife Khans. These three further demands were included in the charged items. As I submitted the other day in the House, it has now been found after examination that these items cannot be included among the charged items and they should therefore be put before the Assembly as votable items for demand. That is why I put those further items as further demands before the House for the year 1958-59. Now I am repeating the same items as supplementary demands as votable items for the year 1958-59. This House will remember that in 1952-53 these items were shown as charged items and the budget was passed by the Assembly accordingly. But now when the legal position has been made clear, those items that were in the budget estimates of 1952-53 shown as charged items have got to be included among votable items by way of supplementary demands and we have to forego the 3 items as charged items. It is only a change of charged items into votable items. Now that the legal position has been made clear it has become necessary that the Government should withdraw sanction of those items as already given by the House treating them as charged items. Now they have to be shown and are being shown as votable items and are placed before the House.

for their sanction in order to regularise the procedure. That is also the desire of the Accountant General because the Constitutional position having become clear he cannot allow the irregularity to proceed. That is why I am moving these supplementary demands.

Shri V D Deshpande Point of Information Sir, I want to know whether the amount of one crore and odd under these items was paid without sanction of the House. If the amount was paid and if it was not sanctioned by the House how is it that the amount was paid and how is it that the Government cannot seek sanction now. As it now appears the amount has been spent and the House did not record sanction to it. What is the legal position and who is responsible?

Mr Speaker It was sanctioned by the House probably under wrong impression. Is it not so?

Shri V D Deshpande No. It was not put before us.

Mr Speaker It was sanctioned as a charged item.

Shri B Ramakrishna Rao These items were shown in the budget estimates as charged items and when those budget estimates were placed before the Assembly they were sanctioned as such. But in the light of the legal position now made clear the two items have to be shown separately. The expenditure does not come under charged items. Last year these items were shown as charged items and the House passed the budget estimates as shown in the budget. Whether it was done rightly or wrongly I need not say. Perhaps an objection was raised but that objection was replied to by me. I said that they had been rightly placed as charged items. That is what my information was and that is how I thought myself. But the subject was later on examined and it is now found that those items would not legitimately come under charged items and that they should be included as the votable items. When the legal position is clear the Government as in duty bound has to ask for vote of the House on these demands and to remove them from the list of charged items. We are doing it for this year by moving for further demands. For the last year though the said items were sanctioned and the amounts were spent the matter has got to be regularised in order that the accounts might be quite clear. That is why I withdraw them from the charged items and place them before the House for regularisation by voting them as supplementary demands. It is quite in order. I

1196 26th March 1953 *Supplementary Demands for Grants*
have ascertained the legal position and taken legal opinion
also. The legal position sought is quite in accordance with the
practice.

Sri V D Dhepande If these items were granted last
year and if again they have to be granted now then
it amounts to granting of the same items twice. Unless
the amount previously sanctioned is surrendered I am afraid,
we cannot sanction now.

Sri B Ramakrishna Rao The position is quite clear.
I just now said that we surrender the amount as charged
item and move for the vote of the House as votable items
in order to reimburse.

Mr Speaker Yes now the hon Chief Minister can move
his demands.

Sri B Ramakrishna Rao Sir I beg to move

That a further sum not exceeding Rs 42 80 000 under
Supplementary Demand No 58 (Miscellaneous Payment to
H I II the Nizam) be granted to the Rajpramukh to defray the
several charges that would come for payment during the course
of the year ending the 31st day of March 1958. The Demand
has the recommendation of the Rajpramukh.

Mr Speaker Motion moved.

That a further sum not exceeding Rs 42 80 000 under
Supplementary Demand No 58 (Miscellaneous Payment to
H I II the Nizam) be granted to the Rajpramukh to defray the
several charges that would come for payment during
the course of the year ending the 31st day of March 1958.
The Demand has the recommendation of the Rajpramukh.

Sri B Ramakrishna Rao Sir I beg to move

That a further sum not exceeding Rs 84 00 000 under
Supplementary Demand No 58 (Miscellaneous Payment to
Jagirdars) be granted to the Rajpramukh to defray the several
charges that would come for payment during the course of
the year ending the 31st day of March 1958. The Demand
has the recommendation of the Rajpramukh.

Mr Speaker Motion moved.

That a further sum not exceeding Rs 84 00 000 under
Supplementary Demand No 58 (Miscellaneous Payment to

Jagudais) be granted to the Rajpramukh to defray the several charges that would come for payment during the course of the year ending the 31st day of March 1958. The Demand has the recommendation of the Rajpramukh.

Sri V D Deshpande The hon the Chief Minister has moved a supplementary Demand No 7 for Rs 1 09 922. There is another item of Rs 16 015 under the same Demand (25 General Administration Government House Ministers and Secretariat Establishment). The hon the Chief Minister has not moved the demand to cover this amount of Rs 16 015. I want to know whether it is a separate amount? If so has it to be moved? Or has it been included in the amount of Rs 1 09 922 for which the demand was moved?

The earlier practice has been to make it into a lumpsum and ask for the grant. Now here it is shown separately. Whether it is to be moved or will be moved later on I would like to know.

Sri B Ramakrishna Rao Rs 16 015 is a charged item. Perhaps it represents the expenditure of the Rajpramukh's personal Secretariat etc. That legitimately comes under charged account. Therefore demand for the amount need not be moved. That is why I have not moved a demand for that amount. The other items I moved as supplementary demands for this year in order to regularise the payment.

Sri V D Deshpande Before the other motions are moved I want certain information in respect of the supplementary demands just now moved. Under Supplementary Demand No 2 item 8 an amount of Rs 2 62 000 was asked for payment for land acquired some years back at Malkajgiri for Transport Lines of the British Army. What that land is what the liabilities of the Government are we do not know. Again under Supplementary Demand No 18 the amount was required to meet additional expenditure on account of resumption of the payment of Yeomahs and Sahianas etc. This is a new item which has not been shown before. We want to know what were the agreements with the jagudais were and the liabilities of the Government under those agreements. Another point in respect of which I seek information is item 1 under Supplementary Demand No 2 where under Rs 21 000 was asked for supplementary grant for the training expenses of probationary Tahsildars. Is this a new scheme? If so we want clarification.

Shri B Ramakrishna Rao I shall make an explanation. If the hon. Member wants more details I can give him during the discussion. But so far as it is possible for me to remember I just make these points clear. Under supplementary demand No. 2 a supplementary grant for Rs. 21,000 was asked for the expenditure incurred on the training of 20 probationary Tahsildars. This amount of Rs. 21,000 represents the amount spent on them. It had to be met in excess of the budgetary provision. That is why a supplementary demand is being asked for. These 20 probationary Tahsildars were trained sometime ago. This expenditure was incurred over and above the budgetary provision. Hence the need for a supplementary demand arise. Regarding item 3 under Supplementary Demand No. 2 the payment had to be made only recently for the acquisition of land which was acquired some years ago for purposes of the army. This land in Malkajgiri belonged to a private party and it was acquired for purposes of the army. Land acquisition proceedings took a considerable length of time. The amount payable to the party had been decided only recently. The payment was made this year and had to be made in excess of the budgetary provision. That is why a sum of Rs. 2,62,000 was claimed. The payment of the acquisition amount was the responsibility of the State Government and it had to be discharged though the time that elapsed was respectably long. Regarding supplementary Demand No. 18 at the time of the integration of the jagirs all the assets and liabilities of the jagirdars were taken over by the Government of Hyderabad. No provision was made in the budget for payment of Yoomahs and Salanas. These were payable to the holders in the ex-jagir area. These claims had to be examined and then after only an approximate amount could be fixed and budgeted for. This took time and it was only during 1952-53 that the amounts payable could be arrived at approximately. That is why this amount has been now claimed by way of a supplementary demand. The responsibility of the Government is to continue the payment. Of course while passing orders the Government have taken care to see that no personal obligations of the Jagirdars have been palmed off on the Government. Certain rules were framed and the rules require that these Yoomahs and Salanas in the nature of annual allowances and payments which were made for the maintenance of certain religious and charitable institutions and which were paid from the revenue of the jagir and not from the personal income of the jagirdars should be continued till such time as the general question of payment of cash

cash grants is decided by the Government. Pending that decision these payments have to be made under the responsibility taken by the Government under the agreements relating to the integration of jagudars. The expenditure having thus been incurred in excess of the budgetary provision, this supplementary demand for the grant of that amount is moved.

Shri V D Deshpande I want to know whether when arrangements for defence were taken over by Government of India from the Hyderabad Government at the time of integration, all the assets and liabilities were also not taken over by them, how is it that the Hyderabad Government has to pay the liabilities of the Defence Department?

Shri B Ramakrishna Rao This item is entirely different. I am afraid the hon. Leader of the Opposition is mistaken. It does not relate to Territorial and Political Pensions. That item which has to be included in the Budget has a technical term—Yomahs and Sumanas. Really speaking these are grants to religious institutions.

Shri V D Deshpande I was referring to payment for land acquired at Malkajgiri. Probably there is a dispute pending in a Court regarding this. But when we settled our accounts with the Government of India, was not this item included as a liability for the Government of India or was that liability left over to the Government of Hyderabad?

Mr. Speaker There are four items under Demand No. 2 and one of them relates to the payment for land acquired some years back at Malkajgiri for Transport Lines of the British Army prior to accession.

Shri V D Deshpande As the hon. the Chief Minister has explained, there was a dispute going on and the amount of compensation was not decided. I only wanted for my information whether at the time of the Government of India taking over the defence establishments etc. i.e. at the time of integration, this item was not included among their liabilities.

Shri B Ramakrishna Rao I shall clarify it. This item could not be included in their liabilities because the land was acquired by the Government of Hyderabad and a such the compensation had to be paid by the Government of Hyderabad. The matter is between the land owner whose

rights were acquired by the Hyderabad Government and the Government of Hyderabad. So far as the Government of India and Government of Hyderabad are concerned the question of liabilities and assets was decided on a different basis altogether. Certain buildings and other property belonging to the Army were given to the Defence Department of the Government of India. They claimed them as a corollary to the process of integration. They claimed the properties as belonging to them and the claim was admitted by the Government of Hyderabad. I am not in a position to furnish all the details but as a general reply to the question I can say that probably this item as well as certain other similar items must have been taken into account while arriving at the terms and conditions of the integration of the Army. I am not aware of the details as to how it has been worked out and whether this amount similar other amounts have been taken into consideration at the time of fixing the liability. I am not in a position to say just now about the details but I shall go into the matter and reply to the hon. leader of the Opposition in the course of my reply.

Mr Speaker We shall now take up motions for reduction of supplementary demands.

DEMAND NO. 2—LAND REVENUE

TRAINING EXPENSES OF PROBATIONARY LANDSOLDARS AND THE POLICY OF RECRUITMENT

Shri Ankushrao Ghare (Patiala) I beg to move

That the grant under Demand No. 2 be reduced by Rs 100

Mr Speaker Motion moved

That the grant under Demand No. 2 be reduced by Rs 100

PAYMENT FOR LAND ACQUIRED AT MALAKPET

Shri Abdul Rahman (Malakpet) I beg to move

That the grant under Demand No. 2 be reduced by Rs 100

Mr Speaker Motion moved

That the grant under Demand No. 2 be reduced by Rs 100

Supplementary Demands for Grants 26th March 1958 1501

DEMAND NO 7 GENERAL ADMINISTRATION GOVERNMENT
HOUSE, MINISTER'S & SECRETARIAT ESTABLISHMENT

INCREASED EXPENDITURE ON TYRES TUBES ETC

Shri Daji Shankar Rao (Adilabad) I beg to move

That the grant under Demand No 7 be reduced by Rs
100

Mr Speaker Motion moved

That the grant under Demand No 7 be reduced by Rs
100

EXTENSION IN THE PERIOD OF SHIKARGAH ESTABLISHMENT

Shri Daji Shankar Rao I beg to move

That the grant under Demand No 7 be reduced by Rs
100

Mr Speaker Motion moved

That the grant under Demand No 7 be reduced by Rs
100

INCREASE IN THE CONTINGENCIES OF MINISTERS

Shri J Anand Rao (Succalla) I beg to move

That the grant under Demand No 7 be reduced by Rs
100

Mr Speaker Motion moved

That the grant under Demand No 7 be reduced by Rs
100

EXTENSION IN THE PERIOD OF TEMPORARY ESTABLISHMENTS
IN VARIOUS SECRETARIAT DEPARTMENTS

Shri Ch Venkat Ram Rao I beg to move :

That the grant under Demand No 7 be reduced by Rs
100

Mr Speaker Motion moved

That the grant under Demand No 7 be reduced by Rs
100

ECONOMY IN THE GENERAL ADMINISTRATION

Shri K Ram Reddy (Nalgonda) I beg to move
That the grant under Demand No 7 be reduced by Rs
100

POLICY OF GENERAL ADMINISTRATION

Shri A Raj Reddy (Sultanabad) I beg to move
That the grant under Demand No 7 be reduced by Rs
100

Mr Speaker Sir I have mentioned in my original cut motion sent to the Secretary that I wish to discuss the working of the Public Service Commission but as I learnt later on the Secretary changed it into the present form saying that I cannot put the cut motion in its original form. The purpose in my bringing this cut motion is to discuss the working of the Public Service Commission.

Mr Speaker I doubt very much whether the hon Member can discuss that.

Shri V D Deshpande *Mr Speaker* Sir the third item in the Order of Business given to us says "Voting and discussion of Demands for Supplementary Grants." I believe discussion can take place regarding charged items though they may not be voted upon. The cut motion moved by *Shri K Ram Reddy* seeks to discuss the expenditure of Rs 6177 spent on the establishment of the Military Secretary to the Rajpramukh and the cut motion of *Shri A Raj Reddy* seeks to discuss the expenditure of Rs 9849 incurred by the Public Service Commission. Both these items were clubbed together under Demand No 7. They can be retained for the purpose of discussion but not for voting. A reply has also to be given on this discussion.

Mr Speaker These items can be discussed but the cut motions of *Shri K Ram Reddy* and *Shri A Raj Reddy* will not be put to vote.

DEMAND NO 12—FAMINE
FAMINE CONDITIONS IN BILGA DISTRICT

Shri Vamanrao Deshmukh I beg to move
That the grant under Demand No 12 be reduced by
Rs 100

Mr Speaker Motion moved

That the grant under Demand No 12 be reduced by
Rs 100

FUNDS FOR FAMINE RELIEF

Shri Sripatrao Kadam (Bhui) I beg to move

That the grant under Demand No 12 be reduced by
Rs 100

DEMAND No 13 TERRITORIAL AND POLITICAL PENSIONS

Shri Annayrao Gavane (Parbhani) I beg to move

That the grant under Demand No 18 be reduced by
Rs 100

Mr Speaker Motion moved

That the grant under Demand No 14 be reduced by
Rs 100

DEMAND No 2—LAND REVENUE

GULBARGA DISTRICT ADMINISTRATION

Shri Sharangouda Inamdar (Andola Jawargi) I beg to
move

That the grant under Demand No 2 be reduced by
Rs 100

Mr Speaker Motion moved

That the grant under Demand No 2 be reduced by
Rs 100

DEMAND No 12—FAMINE

FAMINE CONDITIONS IN GULBARGA DISTRICT

Shri Sharangouda Inamdar I beg to move

That the grant under Demand No 12 be reduced
by Rs 100

Mr Speaker Motion moved

That the grant under Demand No 12 be reduced by
Rs 100

Mr. Speaker Now we shall have general discussion. *Shri Ankush Rao Venkat Rao*

Shri Ankush Rao Venkat Rao *Mr. Speaker* Sir, At the outset I would like to draw the attention of the House to the Passage in the Memorandum of Government explaining the reasons for the non acceptance of the advice of the Public Service Commission of Hyderabad which runs as follows

The Hyderabad Public Service Commission (Consultation) Regulations were laid on the table of the State Legislature in the month of July 1952 as required under Art 820 (5) of the Constitution and no modifications whether by way of repeal or amendment were made by the State Legislature.

Sir even though these Regulations were placed on the table of the Legislature. On a perusal of them I don't think they conform to the spirit of Art 820 (5). It is a fact that we in India though educated have got little or no experience of parliamentary Practice as such and therefore when these Regulations were placed on the table of the House we inadvertently left them out without considering them. The result is that no modifications or amendments could be suggested by us on very important matters governing our administrative services. So what I mean to say is that it was the bounden duty of the Government to make it quite clear to the House the importance and effects of the Regulations that were sought to be implemented. But without the proper consent of the House the Regulations which have got far reaching effects on our administrative set up have been put into effect for instance a department like Road Transport yielding a good revenue to the Government has been taken out of the purview of the Public Service Commission in spite of the fact that certain appointments made therein were questioned in this House.

Regarding the training expenses of probationary Tahsildars for which a supplementary demand of Rs 21,000 is sought to be granted I should like to mention that out of the 20 persons selected for the posts 18 were non mulkies and they were recommended by the Government and the Public Service Commission had to accept the advice of the Government. It is surprising that only seven mulkies were recruited to those posts. I should say that this policy of Government in recruiting non mulkies when sufficient mulki personnel were available in our State was the reason which made our educated

young men to agitate against the Government. It has had a very bad effect and it led to much bloodshed. But on this matter I would not dilate further. Due to the fact that the Public Service Commission complained about the manner in which its power was curtailed some important cases had been taken out of its purview and thus the Government tried to show that even for the general lowering of our administrative efficiency the House has agreed.

There have been complaints that for recruitment to the posts of Probationary Tahsildars January 1, 1953 was the date originally fixed but later on in view of certain representations Government had to change that date to 1st July 1952. Why such an interesting step has been taken by the Government is a matter which requires some elucidation from the Chief Minister. I would request the Chief Minister to make it clear to the House what those representations were and what need was there to change the date originally fixed. There were complaints that the Government gave some concessions regarding even the date of birth. In spite of the fact that the date of birth as is shown in the Matriculation certificate is different from the date of birth shown in the service book a concession has been given that birth dates can be given according to Janma Patrikas. It is a well known fact that Janma Patrikas can be manufactured for the convenience of entering that Government services. So I am at a loss to understand what need was there to doubt the correctness of the Matriculation certificates which I am sure truly indicate the age of a candidate. There are also complaints that notwithstanding the language policy adopted by the Government the persons recruited to administrative services—as is clear from the published results of the competitive examinations do not fulfil the necessary qualifications of proficiency in regional languages.

I would like to request the hon. Chief Minister to elucidate the various points raised by me during the course of his reply to the debate.

شری ایسے راجدہائی سر اسپیئر ایہ ایک معزز رکن نے او ان کے اندر
ہلکے سروے، کس کے بارے میں اسے حالات کا مطالعہ کیا اس کے تعلق سے مجھے
بھی کچھ برسر کرنا ہے۔

ہلکے سروے کمیشن نے ڈی جی کے ساتھ گریس مال کو کھینچا اور کچھ تعلق
باصابطہ کیا ہیں مہواریں لیکن بد قسمتی سے او ان کو کچھ نامیہ کار نہا اس لیے

باوجود مواد ہمارے سامے رکھے جانے کے اس روبرو ہو سکا ہلکے سروں کمپس کی روبرو ہونے کے بعد ہی معلوم ہوا کہ ہلکے سروں کمپس کے کمپس ریکروٹس (Consultation Regulations) کے بھی گئے اور اس ادارے کے سامنے رکھے بھی گئے اور یہ صورتوں کا کہ اوائل کے اس کی منظوری دی

حاجہ اس کا ہمارا لکھ ہلکے سروں کمپس (جو کہ دسویں تعلق ہے) کے دار عمل میں اور اس کے احباب میں دستکاری بھی کی گئی ہے جس پر صاف طور پر اس روبرو سے ظاہر ہو رہی ہے لیکن اسیوں وہ ہے کہ اس کی منظوری ہم روبرو یہ دے سکے دسویں دفعہ (۲۲) کی رو سے اس ریکولیشن کے تعلق سے اس میں کمی ہے اور ہم کرنے کا حوالہ ہم کو دیا گیا تھا اور اسے ہم نے روبرو استعمال نہیں کیا ہے اس کو لایا ہوا ہے صرف مایا ہوں لکھ ہے ہی کہا ہوں کہ ہمارے حوالہ میں اس سے ہم وہ عہد پر آئے ہوئے کی وہ ہے ہلکے سروں کمپس کو ڈی ریسائیڈنٹ نکلے انڈیا ڈی حاجہ ہے اس میں روبرو سے ظاہر ہے میں کم از کم اسی حالت سے معزز اراکین کمپس سے معذور ہوا ہونا کہ ہم نے صحیح طور پر اور روبرو ان خبروں کی طرف کوئی توجہ نہیں کی لیکن مجھے اس کا بھی نہیں ہے کہ ہلکے سروں کمپس کے دار عمل کے اندر اور اس کے احباب کے اندر غلط طریقہ پر دستکاری کے لیے بعض حد تک اور لگ بھگ حد اب کی بنا پر ریکولیشن ہمارے ہی گئے ہیں ہی کیے گئے ہیں اس کی منظوری ہی حاصل کر لی گئی ہے روبرو حوالہ سامنے اس کی گئی ہے اور روبرو اس کا سرکاری جواب دیوں کا معمولی طور مطالعہ کیا مطالعہ کرنے کے بعد میری یہ شہر کر رہے ہے کہ اس مسئلہ میں حکومت کی جانب سے جو جواب دیا گیا ہے اس کی بنیاد صرف اس امر پر ہے جس کا ذکر ابھی کیا گیا کہ ان ریکولیشن کی ادوار کے منظوری دینی ہے حالانکہ مجھے یہ بھی اچھی طرح یاد ہے کہ آٹھ حکومت کے ریکولیشن اس میں پیش بھی کیے جا چکے ہیں وہ کاغذ کا پر ہمارے کاغذات میں ڈھونڈنے سے بھی یہ مل سکا میرے کہنے کا ہے کہ ہونا ہے کہ ہم سے ہی سنا ہوا ہو لیکن اسی صورت میں جبکہ یہ ادوار اس میں رکھنے سے واجب ہیں ہمارے حسب سسر کے یہ دوسرے ہونا کہ اس کو اس میں (Introduce) کرنے ہوئے نہ ہائے کہ اس سلسلہ میں ہمارے کیا فراہم ہیں یہ ریکولیشن کوئی سامنے گئے ہیں کم از کم فارمائی (Formally) ہی اس کا ذکر کر دیا گیا ہونا ہے جس کے حالی لاکر اس میں کر دیا جائے یہ مل بھی کہ انعامیہ ہم رہا ہندی لیکن ہاں تو خاموشی کے معنی پوری رہا ہندی کے لیے جا رہے ہیں دسویں صرف لیس (Letter) ہی کو یہ دیکھا جائے کہ جس کا ہمارے دوست نے کہا اس کی اس پر بھی شہر کرنا چاہیے کہ اس کا معصدا ہے اس کی حالت کیا ہے ورنہ صرف ادوار میں پس کرنے سے کیا ہونا ہے ہلکے سروں کمپس کی رپورٹ اس کا سرکاری جواب ہے

اوس سے کہ معلوم ہوتا ہے کہ وہ جواب بالکل ایک امراہ طرہ دنا گیا ہے کہ ایک دفعہ رگولس نوٹ میں سے ہو گئے لیکن وہاں کوئی رقم نہیں ہوئی گورنمنٹ نے اس کے جعلی کچھ مرد جواب دے کی ضرورت نہیں سمجھی لہٰذا ارزا مہربانی ہے کچھ مبراہت کی گئی ہے میں اس مبراہت کی تفصیل میں دانا ہے چاہا میں کہ ۵ ہروز کھوکھا کہ جس عذاب لگ اور ہیکسل عذری کا رجحان راسد عمل سے اور صبح طرہ کار سے ہے کی ہو کو جس کی گئی وہ صبح ہے اس ادوا کے معر ارا کہیں میں سے ہر رکی کو اس کا تجربہ ہے کہ ۵ ہو ہو کر مک مہری (Bureaucratic Machinery) ہے اس کے جعلی سے ایک رہا ہے ایک سو رہا آ رہی ہے اور ایک خاص ماحول کے صحت ملی آ رہی ہے اس کے اندر جو سورم (Nepotism) نا اور جو بھی برائیاں ہیں وہ آج بھی حوی کی ہوں ہیں جس معمولی طور پر اے احباب سے نام لکر سورم میں کسی کے جاحوی کی طرف داری کرنا ایک پھاس روہ کے اسوگراہ کو ایک صبرا آفسر نادا و حکومت کے ایسے حانب کا کھل ہے ۵ طرہ آج تک بھی حلا آ رہا ہے لیکن ح پلک سورم کمسی ای ہاں اسب ہیں کر سکی اگر آب ملاحظہ فرمائیں تو معلوم ہوگا کہ آج بھی پلک سورم کم میں کے کاروبار میں سہولت ہیں بھائی حای اور کو معلومات مہا چہ کی حای جو کمسی دہر کرنا چاہے ہیں کہے حای اہل عصر میں جہاں پلک سورم کم میں کا سو رہا حانا ہر روزی ہوتا وہاں اسے مسود ہیں لیے حای اور جو ضروری مواد دا حانا چاہے وہی ہر وہ ہیں دنا حانا جو رہر میں کا حانا ہے وہی ایسے شر معمول ہواں کے بہت و دستور کے بھی حلاب ہیں آفسر میں ایسی (Efficiency) نہ ہوئے کے ناوجود اسے کمسی (Cases) واپس لے لیے حای ہیں جو مسود پلک سورم کمسی سے دا حانا ہے و منظور ہی ہوتا ہے اچیں اس کا پہ بھی ہیں حل سکنا ایسی کی ہاں و کی حای ہیں لیکن کمسی کے کاروبار میں سہولت جہاں ہر وہ مواد دے اور اوسکی صحت افرای کرے کی کو میں ہیں کی حای دستور کے صحت ایک کمسی تو پھانا گیا ہے لیکن اوس کو اس کا موقع ہیں دنا حانا کہ وہ ایسے احباب کام میں لائے رہو رہ میں ایسی مہلاں اور اوکی تفصیلات دگی ہیں جس کے دیکھنے سے کوئی سہ ناں ہیں رہا ہے کہ کس طرح حلق عمل کا حازہا ہے مجھے مہینڈن اور صلاز مہکمہ حاب کے عادات کے جعلی کوں سہ ہاں ہیں رہا کہ وہ ایسی طرح پلک سورم کمسی کے کاموں میں روئے اگلے رہیں گے صحت تک اور کے حلاب صحت سے صحت انکی (Action) ۵ لیا حای کا وہ ایسی طرح کرنے ہی رہیں گے ہر ایسوں تو اس امر کا ہے کہ آج کی حکومت عوامی حکومت کھلائی حای ہے لیکن اس کمسی کے لیے جو سہولتیں دے حای جس طرح کمسی کو کھلے طور پر رہر (Refer) کا حانا چاہے ہیں کا حانا بلکہ ان عوامی اصولوں سے ہٹ کر ہو کر کر سکی صحت کے رجحانات کی باندہ کرے ہوئے ایک

ریگولر سہ ماہی کے اس رورٹ کے اندر (جسے) میں اندر ذات مانے گئے ہیں جن میں پبلک رو کمیشن کے ر عمل ور - مارت میں داخل انداز ہوئے کی کو س کی گئی ہے ایک طرف اور ی ڈی کو ملک سرو میں کمیشن کے ا ساراب سے ٹیکل لیا گیا ہے سال کے کس ایکٹ (Contract) کا حو طرہ بہا اوس کو بھی ٹال لیا گیا سس کس مونس وسر کے معاملہ کو بھی لے لیا گیا اور کسی ا سے کسگور (Categories) ہیں جن کو ٹال لیا گیا گوا ایک ایک لڑکے ماری - روں کو کمیشن سے ٹکال لیا جا رہا ہے پلس (Appeals) کے متعلق بھی - تاکہ رورٹ میں لکھا گیا اور کوئی وجہ ہیں کہ اس رورٹ کو غلط پاور کیا جائے کوئی کا ی مونسل الواس (Constitutional Advice) جن لیا جانا یک طرف تو عدل کا جانا ہے کہ آر ی ڈی آند کارورڈ ن ہاے والا ہے اس لئے کمیشن کا اس کے متعلق احسار پای ہیں رہگا ایک مل اس کے کہ - صورت ن آئے کمیشن سے رفر کا اند کر دیے ہیں ایک مانا ہو رہا ہے آر ی ڈی میں - ر بھی دکھی جاتی ہے کہ دو میں اپا سٹ کر لے جائے ہیں اور پھر دوسرے کمیشن (Cases) میں کمیشن سے رمر کا جانا ہے جب اوس کا احسار پای ہیں ہے و پھر - ر کون ر کی - ہے ؟ اسی ناں جس سے ہار افسر ن حرات ہو جاتا ہے اور جس کی جج کسی کے متعلق ہر مضمون کو مانا ہے تو پھر حکومت جس طرح سے عمل کر رہی ہے وہ کہاں یک درپ ہو گیا ؟ آف جیلے نو ایک ریگولر سہ ماہی ہے لیکن پھر مونسل سرو میں ریگولر سہ ماہی کے کسی عائدہ کو ماکر دوسرے خلاف عمل کرنے کی ٹوئس کر دے ہیں میں کہوینگا کہ - رحمان الکل غلط ہے دستور کے مت وا ساراب کمیشن ٹوئس گئے ہیں اوس سے ہٹ کر گورنمنٹ کچھ نہیں کر سکتی ایسی جانی کے لئے افسر سو ہڈیں (Administrative Heads) کو بعض احساراب مانا رس ہوگا بلا مت فرسوا کہوسر (Subversive Activities) کے متعلق ہے جامعہ میں میں نے احسار ہیں ایک جہاں اسے اہ ازارب پبلک سرو میں کمیشن کو ہیں دے گئے بلا ال البسی (Inefficiency) وسر لکھ نہیں گورنمنٹ نے رکھ لیا ہے پھر معلوم کون پبلک سرو میں کمیشن کو ذی ماکر رکھا گیا ہے ؟ میں نے عرض کرونگا کہ حکومت کو اس ایسے میں پبلک سرو میں کمیشن کی مت افزاں کرنی چاہیے آخر میں میں ایک - ر عرض کرونگا و سال کی رپورٹ دکھنے سے گورنمنٹ کا حور وہ معلوم ہونا ہے اور اس متعلق سے جو ایلیم اوس نے کہا ہے (میں نے) ہے کہ بری حلویات صحیح - ہوں) نہیں ہے کہ کا گروں کے ایک ہساکو اس کا رکی مانا گیا ہے - دو جہوں اسی ہیں جو ہارے ہمارے آرہی ہیں مجھے امید ہے کہ آند سال نہ جہوں ناں ہیں رہسکی بلکہ جی الامتکی اس کمیشن کی مت افزاں کی جاسکی میں - میں کہوینگا کہ جو کسلسس ریگولر سس ہیں (وہ بھی پورے ہم کو معلوم ہیں) اوس کے متعلق ہاؤز راندہ شوز کیلے اور دسویں لڈ ہے چو -

رہا نہ خرچہ ہونا ہے یہی فروغ کر کے اسکی بجائے اس ن واکس خریدا جائے
 جو نوٹس (Tolls) کے لیے راتہ روزانہ ہوتی ہیں

سنگار کے بارے میں مجھے یہ کہا ہے کہ اس ر یہ وصول کرنا چاہا
 ہے۔ پتوں میں چاہا کہ اس کے ملک میں جو سب عمارتوں کیوں ولس کسی کے
 بعد ہمارے سنگار گاہوں کی حالت ہے جنگلوں میں و ہوں ہیں یہ سابر ہیں یہ
 نل ہیں انڈیا میں کی موسی اور ولس یہی مارکر لاروں میں ہر ہر کر
 لنگے ہیں اور ہوں کے کو اے جو وہوں کے لیے اسمال کا اب وہاں صرف سو
 رہتے ہیں وہی لیے ہیں وہ لکڑی کا کاروں کے کھسوں کو را کرتے ہیں میں
 یہ میں کے ساتھ کہا سنگاروں کے جنگلوں میں اب آگے کوئی جا رہی رہا

دوسری اب کہ میں بوا سنگار کی کوئی خاص ضرورت ہی نہیں سمجھتا
 اب یہ ہو رہا ہے کہ واسرائل صاحب ہاں طرح کے لیے آہیں اور اعلیٰ حضرت
 ہنگام عالی ہیں سنگار کے لیے سنگار گاہیں اور یہ کوئی اے گورنری نا آگ میں
 آئے ہیں یہ سنگار کرنا دیا ہے میں طرح کے آئرل میں ہی یہ کہیں ہیں
 کہ عوامی راج ہے عوامی راج میں اس میں کے حوصلے میں حل سکے

اس محکمہ سے متعلق ایک اور بات یہ ہے کہ کوئی شخص سے کر اجازت نامہ
 لیکر بھی سنگار نہیں کھلتا اگر ایسا ہونا بھی ہے وکم رقم مری طرح میں نو
 گرا اور پھر وہاں جانوروں کی حفاظت کا ہی کوئی سول ہیں سمجھ میں ہیں آنا
 کہ یہ (۲۲) کی راتہ رقم کہیں صرف ہوتی ہے میں ان حملہ حالات کے حسب
 یہ کہو بیگا کہ یہ رقم سنگار صرف ہوتی ہے اور اس پر حور راتہ خرچ مانگا جا رہا ہے وہ
 وصول خرچ ہے منجے سوا اور کچھ ہیں میں بیل جب یہ سے اہل کرنا ہوں
 کہ اس قسم کی وصول حوروں کو کالڈے کے بارے میں حور کریں

مری مری اب رالڈ کم میں اس پر مریٹ میں اس کے بارے میں
 ہے راج یہ کہ کے اثر میں کے وہ حسب اس راج و ملکہ و ہا ہا و اس وہ
 اس انار میں گو میں کے لیے ہوئے میں (Measures) کا
 ذکر کرتے ہوئے آرمل جب یہ سے کہا جا کہ حکومت اس پر دو طرحوں سے
 سوچ رہی ہے ایک بولنگ دم میں (Long term measures)
 اور دوسرے راج (Relief) کے بارے میں لانگ م میں کے معاملہ میں
 گو میں آنا کے رام جوی کمپس کا ذکر کیا گا وکسے ولایہ معلوم ہیں

میں ہواؤ اور خصوصاً ٹی و میان آباد میں حالات میں ہوں (Alternatively)
 یہ اب ہوئے ہیں اور اس میں وہ یہ میں حسب کہ اسے حالات بنا ہوں
 میں اس سے پہلے ہیں سوچا جاتا موجودہ حالات میں حورلف دنا چاہیے میں اس
 بارے میں کچھ کہوں گا ہماری اسپت کے فاسی کمپس کے ہر مقام کا حد سے نکل
 دور کیا اور چند آباد آکر ہوں سے میں کام میں طلب کی

Shri V D Deshpande: Mr Speaker, Sir, I wish to point to you that the Chief Minister who is in charge of the portfolio is absent continuously and I do not understand how he will be in a position to clarify the points raised in the debate. Therefore I wish to convey through you to the Chief Minister and the Minister concerned that when the debate is going on their demands they are in duty bound to be present in the House so that they may be in a position to clarify the points raised.

Mr Deputy Speaker Of course it is desirable that the Minister concerned should be present here but it cannot be forced.

Shri V D Deshpande : Mr Speaker Sir A similar instance arose in the House of the People recently and the Speaker though it was not exactly his ruling expressed that the Minister concerned should be present in the House when the particular demands were being discussed.

[At this stage the Chief Minister Sri B. Ramakrishna Rao entered the house and took his seat.]

سری سری ہری کیا ہمارے دلوں میں اسی کوں آبادی ہے ؟

[illegible]

شروع ہوئے والے ہیں اس لیے اس موقع پر معاف کا حکم مانا جائے۔ آج کی گورنمنٹ حسب عوام کی سب کے حکام ۴ اے و آرو کس وہ کے لیے ہے؟ اور ۴ حکومت کس کے لیے ہے؟ میں حکم سے درہ اس کرو گا وہاں کے حالات کے لحاظ سے جو بھی کام ہونا ضروری ہے کیا جائے اور حورم وہاں انفراد کے لیے بطور کی گئی ہے اسکو بھک ڈک سے جرح کرا جائے

श्री मन्नाजीराव लक्ष्माण (परमजी) —मिस्टर स्पीकर सर आज जो सन्कीमेटरी विमार्ज्यु हमारे सामने रखी गयी है और साथ ही पर विचार न (७) और (१२) जिनमें ज्यादा बड़ा ब्याज बांधा गया है। वे जैसे हैं कि जिनके बारे में लोक सभा पहले जब कि बजट पर विचारकथन किया गया था बहुत बसत यह बोलना कि या कि शीटरबाका कमेटी की बहुत बुरा ब्याज बांधा की कम करना चाहिये और जिस बजट को डवलपिंग प्लान (Developing plan) के एहत किरी बन्धे काम के लिये कम करना चाहिये। शीटरबाका कमेटी के रिपोर्ट में साफ और पर बाहीर किया गया है कि हमको गवर्नमेंट हाउस और गराज रखने की जरूरत नहीं है और योनिया घासिनावा स्कुल गराज रखने की जरूरत नहीं है। जितना ब्याजबांधा कम किये जा सकते हैं। गुविस्ता हाल बॉनरेबक पीफ मिनिस्टर ने योनिया मासिमाता स्कुल मनसब का बिक करो हुआ कहा था कि लोक बॉनित कमेटी (Joint Committee) रही है और लोक सभा के अगर जिन सब चीजों को हम बंद करें। घामब ब्याज मुकदर की या वेते बसत जब पीफ मिनिस्टर चाहत कहें कि हम जिसकी कम कर रहे हैं और बासिवा और ज्यादा कम करने की कोशिश में हैं। योनिया घासिमाता स्कुल और मनसब पर जो ज्यादा ब्याजबांधा बताया गया है उसके लिये पीफ मिनिस्टर चाहत कहें कि बागीरघारी की लायबिलिटी (Liability) के और पर वे ब्याजबांधा हमारे बुरा बाये है। बागीरघारी बसत हुयी जिसलिये जून के लायबिलिटीज की जिम्मेदारी हमको अपने बुरा केनी पडी। जब गवर्नमेंट कुछ यह सोच रही थी कि घासिमाता मनसब और स्कुल जिस तरह की चीजों की बंद करना चाहिये तो वेही हाऊस या जब कि बागीरघारी की हम बन्धा म्बावना वे रहे हैं तो लायबिलिटी भी जून के बुरा बाकी का सफती थी और बहुत मासानी के साथ कहा जा सकता था कि हम जून बुरा यह जिम्मेदारी जेन के लिये तैयार नहीं है। केकिन बॉनरेबक पीफ मिनिस्टर घामब हमको बड़ाबैंग कि लोक सभा वेन्ही कानून से जो कि बनी बसत ही बावनाका है जिस तरह की सब चीजों को कम करने का हमसे विचार कर लिया था जिसी लिये बागीरघारी की रस लायबिलिटी की जिम्मेदारी हमन की। केकिन मेरा यह कहना है कि जब हमारा वेन्स्वेकर (Exchequer) जिन लायबिलिटीज की नहीं नपूर करना था और जो लोक प्रुक्क बर्ष है और जिसके बारे में शीटरबाका कमेटी की सिफारिश है कि गवर्नमेंट जिस बात को बर्बाद करन के लिये तैयार नहीं है, जिसके बावजूद गवर्नमेंट जिन चीजों पर ज्यादा बर्ष करती या रही है केकिन जिनका कोई हक नहीं सोचती। अफसोस के साथ कहना पडता है कि चिकारवा को वेन्स्वेक्शन (Extrusion) देने के लिये ज्यादा ब्याजबांधा किये गये। ये बातता है कि हमारे मिनिस्ट्रो ने किसी को चिकार खोने का डीक नहीं है क्योंकि वे सब बहिष्क है। केकिन अगर जून में से किसी को डीक है तो जूनको में बावत देता हू कि वे मेरे परमजी जिनाके में बायें। काफी बड़े बड़े सुबर पडे हैं। मेरे पास हरेका सोचो से बरबराते बायी हैं कि हमको बहुत के कायसेल्स बीजिये बसती बावबरो से बहुत टफसीक हो रही है। केकिन जूनको कायसेल्स नहीं मिलते। हर रोज

किसी न किसी अंगूठ से रिपोर्ट जाती है कि किसी की गाय मारी गयी तो किसी का बैल मारा गया। डॉनोरेबल मिलिटरी हस्ताक्षर धनको चिकार का चीन हो अगर मेरे गांव में आ जाये तो मुझका चिकार का शोक भी पूरा होगा और लोगों की उपजीविका भी पूरा होगी। चिकारवाह के लिये बिलना बनवा जुबूत सब करन की जरूरत नहीं है। जिसमें सब करन के बजाय सप्लीमेंटरी डिमांड (Supplementary Demand) हमारे सामन पेश की जाती है तो बिलका मतलब यह है कि गवर्नमेंट बिजानामी (Lazymy) का ब्याज नहीं करती बल्कि अपने पुराने रवैये को जो कि बिजानावाही में जारी था उसको अब भी जारी रखने की कोशिश कर रही है। सालि सालात चिकारवाह मतलब कमूम गवर्नमेंट हाजूस गरज जिन सब पर जो खर्च किया जा रहा है उसको बेसकर मूमकिन है कि बाहर से बानेवाले लोग यह नहीं कहेंगे कि हमारी गवर्नमेंट जुबूत खर्च कर रही है। हमारे यहां मेसमान बनकर बसेबसी में बानेवाले और कहते में मूयने के लिये बाहर से बानेवाले लोग कायम बिससे बूझ भी होये। लेकिन यहां की आम रियाया जुबूत सब है वही ही कहती है जो खजूसकी यह मांग है कि जब हम टैमिन रिजीफ (Tamine Relief) के लिये रकम रकम मांगते हैं तो हमसे कहा जाता है कि हमारी हाऊस को देखिये बबद की देखिये लेकिन हमारे बिल सख्त बखराबात बढते रहे हैं और बाबतकर बूझ हाऊस में अब कि गोरवाला कमेटी की भी बिल खर्च की बम करन की चिकारिबात है। लेकिन गवर्नमेंट बूझ पर गौर नहीं करती और बिल सब की कम करने की चिकारिबात है। लेकिन गवर्नमेंट बूझ पर गौर नहीं करती और हमारे सामनब बिल सख्त की सप्लीमेंटरी डिमांड पेश करती है तो हम बिलके लिये कैसे मजूरी दे सकते हैं ?

[Mr Speaker in the Chair]

पिछले साल बबद बिलकथन के बस्त हवाने काफ़ी रेकमेंडेशन लिये थे और इनके बिलकिले में बीछ मिलिटरी हस्ताक्षर ने बाबा बिया था कि बापकी सूचनाओं की अनुसार हम खर्च कम करने की कोशिश कर रहे हैं। और बापकी बहुत सी रेकमेंडेशन पर हमन अमल किया है और बेलक साक बाब बाप ही देखेंगे कि बिल पर बेतराब करने का मौका नहीं बने। लेकिन अफसोस के साथ कहना पडता है कि बूझ चिकारिबात पर गवर्नमेंट ने अमल नहीं किया है बल्कि ब्याबा सब करके हमारे धानाने सप्लीमेंटरी डिमांडब रहीं हैं जो हम मजूरी करने के लिये अब किसी तरह तैयार नहीं हो सकते। क्योंकि बैबराबाब की हाऊस वही है कि बहा ब्याबा खर्च लिये बाने की जरूरत है बहा ही खर्च नहीं किया जाता लेकिन जो जुबूत बीजे हैं बूझ पर ब्याबा खर्च किया जाता है। बाब बैबराबाब के कमी हिल्लसो में लोग पानी के लिये खजप रहे हैं। बाबतकर पानी और थारे के लिये खजप रहे हैं। बकास की बबह से बिल पालबरो पर काबतकार की बिलबगी मुमहसर होती है बलकी वे जोब देते हैं। बूझरो को वे देते हैं बूमको बाछ पानी नहीं दे सकते तो क्या करेंगे / बूमको ब्याबा रकम देने के लिये हमारी गवर्नमेंट के पास पडा नहीं है, लेकिन जुबूत खर्चों के लिये पैसा है। वही हाऊस में ने यह साफ ठीर से कह देना बाबहवा है कि यह हाजूस बिल बिमांडन को बचूर करने के लिये तैयार नहीं है।

[Mr Speaker in the Chair]

سری کٹارام رائے سہارا نگر میں نے جیل ڈسٹریکٹس اور ریڈکس کا موسس بن گیا ہے۔ یہ بھی ۴ سکاٹ ہے کہ حکومت کے عہدہ داروں کا وہ درس ہے جس سے جب کبھی ہزاری حالت سے وابستہ ہوں گے ہائے ہیں و اوس پر کوئی دودھ نہیں دھاتی بلکہ حدیث میں یہ کہہ کر جواب دے گئے ہیں ۴ یہی کا جانا کہ ابھی صحیح کارگزاری اعداد و شمار کے ساتھ اس کی جائے

اس وقت ہاؤز کے سامنے سلسلہ گراس آئے ہیں میں اس مایہ میں ہاؤز سے یہ کہہ چکا کہ ہوارہ جو جانا ہے اس کے لئے صرف ۱ ک مہرہ صرف کا جانا ہے اس کے باوجود پھر سلسلہ گراس سے کرے کا عہدہ کا ہے آخر کوں ہر آم ر سلسلہ گراس میں لائے گئے ہیں میں ہاؤز سے یہ کہہ چکا ہوں اگر حکومت اپنی انسانی بڑھانا چاہی ہے اور اپنی کارکردگی میں اضافہ کرنا چاہی ہے و خود کو نائد ہوارہ رکھنا چاہیے اور جو ہوارہ اس کو نا جانا ہے اوس پر عمل کرے کی کوئس کر رہی چاہیے آپ خود جب نا ہ ہوارہ میں رہے اور اسی صورت کے لئے سلسلہ گراس میں لائے گئے ہیں تو ہر معمولی لوگوں سے کسی ۴ وجہ کر سکتے ہیں کہ وہ انسانی سے کام کر سکتے؟ جب حکومت کے اعلیٰ ترین عہدہ دار اور دہ دار لوگ خود پابند ہوارہ میں رہے اور سلسلہ گراس سے کرے گئے ہیں تو ہر دوسرے لوگوں سے کسی آپ توقع کرے ہیں کہ وہ نائد ہوارہ رہ سکتے؟ دوری خبر ۴ ہے کہ معمولی حالات سے ہٹ کر جو محو راندہ خرچ کیا جاتا ہے جس کے لئے سلسلہ گراس ڈیمانڈ کی ضرورت ہوتی ہے لیکن اس کا حساب بھی نہیں کیا جاتا میں پوچھتا ہوں کہ اب اس کا حساب کیوں نہیں لگاتے؟ کیوں اس کی رورٹ ہم کو نہیں دیتے کہ اس سلسلہ میں ۱ اوس سلسلہ میں راندہ خرچہ ان وجوہات کی بنا پر ہوا انسی کوئی صراحت آپ نہیں کرنا چاہیے ہر کسی اسکی مطوری دھاتے؟ عام طور پر ہوارہ کے جو اصول ہیں ان سے ہٹ کر اگر خرچ کیا جائے تو اس طرح کے راندہ اخراجات ہونگے

اس سے پہلے بھی میں نے ریمارک کیا تھا کہ ہر ڈیمانڈ میں کسجی (Contingency) کے تحت روپیہ حاصل کیے جاتے ہیں لیکن ہوارہ میں اس کی تفصیلات نہیں رہیں اور ہاؤز کے علم میں ۴ خبر نہیں آتی کہ ۴ رقم کس طرح خرچ کی جا رہی ہے ان بے گراس کے ساتھ میں کوئی تفصیلات میں نہیں کہنے گئے اصل ہوارہ میں بھی اسکو سرک نہیں کیا گیا انسی صورت میں کہا ہاؤز ۴ خواہش نہیں کر سکتا کہ ان روپیہ کے خرچ کے متعلق تفصیلات معلوم ہوں؟ اس لئے آپرل میٹرس کو وہ جائے اس طرف کے ہوں نا اوس طرف کے ۴ سہ ہونا ہے کہ ۴ رقم کس طرح خرچ ہوگی آپ عوامی حکومت کے طور سے حکومت چلانے کا دعویٰ تو کرتے ہیں لیکن اپنے آپ کو سٹھارنا نہیں چاہیے اس لئے میں حکمران ہاؤز سے دریافت کر چکا کہ وہ کی جس (Basis) پر اس سلسلہ ہوارہ کو قابل مطوری قرار دے گئے ہیں؟ مجھے معلوم ہے کہ اب کی بجائی ہے جسکی وجہ سے نہ ڈیمانڈیں

مطوبہ بھی ہو چاہئے انکی ۴ حیر ہی آئے جس طور ہی چاہئے کہ سولس مری ڈیمانڈس آئے ہیں اور ان کا کیا حیر ہوئے ولا ہے ۱

میری براب کے ساتھ ہی اس سے چلے ہائی سے راند صاحب ہو چکے ہیں اور رہا رکس کیے گئے ہیں اب ہوی الیمسریس (Top heavy Administration) حل رہا ہے ہمیری ویسٹ کرٹ (Jervis) کیے جا رہے ہیں اور اس دھاروں روئے حیر کیے جا رہے ہیں کہاں گراں (Cash grants) میں لاکھ روپہ کم کیے گئے ہیں لیکن اس کے لیے ہی ایک رندا حیر دھا گیا ہے

اس کے لیے (۳۹۲۸) روئے حیر کیے جا رہے ہیں مری سچو ہی میں آ آ کر کون نہ کام رہو سو بورڈ بکے لوگوں کے سر دہی کا گیا کہ وہاں کافی آدمی کام کرتے ہیں ؟ رہو و بورڈ میں حیر لوگ کام کرتے ہیں اور ان کا کوئی کام ہو چاہئے سامے میں آنا میرا کہہا ہے کہ اگر الیمسریس کے لیے پست حیر کا جانا ہے تو اس کا حساب بھی ہم کو ملتا چاہئے سال گریسا ۴۴ ہزار روپہ اس سلسلہ میں حیر کیے گئے لیکن اس کا حساب بھی تو پس کہجے آت کہجے کہ حیر ہم چکوب حیر رہے ہیں تو ہم تو پورے کون ہیں کہا ۴۴ ہم آت پر پورے دو کرتے ہیں انکی ہم آتو انک مرہہ | سی عاذب ڈالنا ہیں چاہئے میرا اس کے معنی صحت امر میں ہے کہ حیر بھی سولس مری گراں آئے ہیں اور اس حیر معمولی اجراجات کے لیے وہ چاہئے چاہے ہیں اور انکی وجوہات ہی عاذب کے سامے ہیں ہوی چاہیں اس کے معنی رپورٹ عاذب کو ملی چاہئے کہ ان ان حالات کی وجہ سے سولس مری گراں حاصل کرنا پڑا ۴۴ ہذاں ہیں ہے کہ ہر مرہہ سولس مری گراں کے ام سے دو ڈھ کروڑ روپہ حاصل کر لیے چاہیں گریسا سال حیر کا بکٹ پس کیا گیا لیکن دو کروڑ روپہ اسی طرح حاصل کیے گئے اس کی سال تو اسی ہے کہ جسے ایک کسہ کا سیر اہیے معاد کے لیے تو اس طرح چاہئے حیر کرنے لیکن حسابات حیر کے ہائے ہم و اس کا مطلب ہی سمجھ گئے اس لیے میں عاذب سے حیر کروٹا کہ وہ گریسا ہے مطالعہ کرے کہ اس حیر معمولی حالات کے تحت سولس مری گراں مانگے جا رہے ہیں وہ کہا ہیں اسکی رپورٹ پس کی چاہئے آ کہ آندہ اس پر وجہ دی چاہئے

سری فی رام کس رام راڑ حوٹ موسس ان سولس مری گراں کے بارے میں پس کیے گئے ہیں اور ان کے معنی سے میں سمجھتا حیر عرصہ کرنا چاہا ہوں وہ سولس مری گراں کے سلسلہ میں ٹیکس کرنے کے لیے دوٹ موسس (Cut motion) آئے ہیں وامہ نہ ہے کہ نہ پورے مری گراں اس سال رکوٹ (Recruit) ہیں کیے گئے ہیں بلکہ اس سے چلے رکوٹ کیے ہوئے لوگ ہیں حیر او گریسا کے فارم (Form) ہوئے سے پس رکوٹ کیے گئے تھے حیر مری گراں رکوٹ ہوئے تھے اور یہ رکوٹ بکٹ ہلک سروس کمس کی طرح سے کا گیا تھا اس طرح حیر لوگ رکوٹ کیے چاہئے ہیں انکے بارے میں پتہ کیا ۱۱ ہے کہ وہ کوالیفائیڈ (Qualified) ہیں

شری وی ڈی دھسانڈے کیا آری - معسر چاہے ہی کہ پبلک سروس کمیشن نے نہ دیکھا کہ (۲) مان ملکر (Non mulkies) ہیں ؟

شری بی رام کس راؤ حوکنہ ہوا ہوا۔ ہی ملکی ان ملکی کی محب ہیں کر رہا ہو کہ اگر وہ اسٹ (Efficient) ہوئے تو ظاہر ہے کہ پبلک سروس کمیشن انہیں مان ملکی (Non mulkies) ہوئے کے ناوجود مول کرنا ۔ لوگ ملے سے کام کرے آئے ہیں

شری وامن راؤ دھسمکھ کیا ۔ صحیح ہے کہ ان میں سے دو مسلمان ہیں اور باقی (۸) رہیں ہیں ؟

Mr. Speaker Order Order

Shri B Ramakrishna Rao I don't want to be interrupted in my speech

میرا حال پھلی گورنمنٹ نے پبلک سروس کمیشن کے ذریعہ انکا احباب کیا ایک آئین میں نے کہا کہ مصطفیٰ صاحب کے پاس مل کمل معصات کے لیے بھیجا گیا ہو انہوں نے اسکو داخل دفتر کر دینے کی تجویز کی ہے ۔ ہی نہ کہہ سکتا کہ ہم نے جو ٹریڈنگ دلائی ہے اس میں کم از کم اسی بات کی تمام و ہیں دیکھی ہیں ہاویں کو و مواس دانا ہوں کہ ۲۱ ہزار کی رقم اسی رنگ و طرح ہیں ہوں ۲۱ ہزار کی جو رقم صرف ہوں ہے وہ ان (۲) پروسس مصلفاؤں کے لی اور ڈی ایچ سے ملے ہیں ۔ ۴ رقم اب اس لیے مانگی جا رہی ہے کہ ملے اسکا کوئی پروویژن (Provision) بھی تھا بلکہ سروس کمیشن سے وہ لوگ سمجھ ہوئے ہیں ٹریڈنگ دنا لازمی تھا و سنگ دیکھی و اس و طرح ہونا لازمی تھا اور جب حرج کیا گیا اور اس کے لیے پروویژن نہیں تھا و ۴ ملہری ڈیمانڈ لا بھی لازمی ہو گیا یہ لاگت (Logis) نے اس کے لیے ہم بالکل صوبہ ۲۱ ہزار کے لی اسے بلز وغیرہ دے ہوئے تھے جس سے ان لوگوں کو بکات ہو رہی تھی انک آریبل میں نے جس مصلفہ و صاحب کا ذکر کیا ہے وہ ان (۲) پروسس مصلفاؤں میں سے ہیں جس کے لیے یہ رقم آج مانگی جا رہی ہے ہو سکتا ہے کہ کوئی (۲) سال کا پیکر ہو

شری وی ڈی دھسانڈے کیا یہ لفظ پیکر پارلیمنٹری ہے ؟

شری بی رام کس راؤ پیکر کا مطلب جب لفظ کار اس لفظ سے نہیں ہے کہا آریبل میں نے جس واقعہ کا ذکر کیا ہے اس میں کال کا بیان دس نو نو ڈی

دلہا بھجوا دی ہوگی جس میں اس کو نو دیکھو کا کہ انہوں نے کس طرح
مہوری اور الائنس عہد داروں سے ان کوں جوڑ چکا ہے جس سے ان سے اس
ہے کہ ہزاروں روپے کی وجہ سے اس کی سب ڈیمانڈ لانا پڑا

دوسری چیز یہ کہ ملکداری کی زمین کے اپنے میں ان میں سے کئی گنا ہے لیکن
یہ زمین راجہ سے حاصل کی ہوئی ہے۔ ان کے لیے میں تحصیلداروں کے سلسلے
میں کچھ معلومات دینا چاہتا ہوں۔ پہلے ایک مذکر ہم کر کے دے گا ہوں تحصیلداروں کو
(۲) مہرے کی ریسک میں ہے ۲ مہرے مہرے ریسک میں

Revenue (Survey Settlement Training) ۸ مہرے روسورنگ (Training)
اور وہ ڈیپارٹمنٹ میں ایک مہرے کی ریسک میں ۸ دن
ہواری کام بھی ملا رہا ہے کسی ہواری کے دلہے کے عہدہ پر ملے جانے
میں اس طرح ایک سال کی ریسک میں ہے ان میں الائنس پر وہ مہرے مہرے (۱)
روپے دے گا ہے۔ سب سے لے اور ڈی لے بھی دے گا ہے

ملکداری کی زمین کے اپنے میں سے ۹ ع میں مران مارک سرفصلوں لانا
بہا ۹ مران مددگار صاحب میں الائنس کے نام لکھا ہے۔ ان کی رائے
موجہ دی مہرے ۲۳ مہرے میں ۲۳ مہرے ۱۹ ع سے پورا انعام ہے
اس بارے میں سالانہ گ کے وہ جو عام ہو رہی ہیں حال میں یہی معاویہ گورنمنٹ
آف انڈیا سے ہرگز نہ لے جائے۔ وہ انسی ریسٹ جو حاکماری میں انکا معاویہ خود
ہواری گورنمنٹ کی طرف سے دے جائے گا عام اصول جو محمد عبداللہ نے بیان کیا ہے
بابت ہے ۱۹ ع کا مران حال حال کی جاری ہے ۹ ع میں انڈیا آرمی
(Indian Army) کے لیے حاصل کی گئی ہے۔ ان میں کو معاویہ ہونا چاہیے کہ
انڈیا آرمی کے لیے جو ریسٹ حاصل کی ہے وہی کسٹومڈ اریا (Cantonment Area)
(وہ ان ریسٹ کا معاویہ خود آریا گورنمنٹ دی ہے) ۱۹
گورنمنٹ آف انڈیا ۹ معاویہ میں دی ہے۔ ان کے یہ معاویہ کا ایکٹ لے لیکن
معاویہ حوالہ معاویہ سے ناراض رہا۔ اس نے کہا کہ ۹ معاویہ کافی ہیں۔ اس نے
عبداللہ میں رجوع ہو کر ۲ لاکھ ۶۳ ہزار روپے کی ڈگری حاصل کی اور راند میں
میں ادا کرنا پڑا۔ خود آریا انڈیا آرمی میں انگریز (Integrate)
ہوئے وہ بھی جو معاہدہ ہوا اس لحاظ سے ہے ۹ رقم میں ادا کرنی پڑی ہے ۹
میں بالکل قواعد کے تحت لگئی ہے۔ یہ ۲ لاکھ کی رقم ان پر پوائنڈ پوائنڈ
(Unprovided Balance) ہے جوئے اہل (Payable) ہے

شری وی ڈی دھیاپالے یہ معاویہ کم شخص کو دے گا ہے ۹

شری بی رام کشن راؤ ۹ میں واردہا رڈی ملکداری کے (۱) داروں اور
میں (۲) اگر ۹ ع عبداللہ سے ڈگری ہونے کے بعد لایا ۹ ع میں ۹ رقم
دینا پڑا ہے۔ اس طرح ڈیمانڈ میں (۲) کی نسبت جو کٹ موسس میں ہوئے ہیں

بارے میں ہے۔ جہاں کہ جہاں ایک سے اس میں ہے اس لیے اسے سائنس (Satisfactory) ہے۔

Extra (ع) (۱۹۹۲۲) روپے کے کسٹرو ڈیمانڈ (Further Demand) میں (Items) ہیں گورنمنٹ ہاؤس (Government House) اور سسٹمز اینڈ سکرٹس اسٹابلیشمنٹ (Ministers and Secretariat Establishment) کے بارے میں ہے ڈیمانڈ ہے۔
 Contingencies (کنٹینجمنس) کے بارے میں
 میں عرض کر دیا جاوے گا (مرا) (مزاد روپے کا ایک ڈیمانڈ جاری ہوا ہے
 ٹائرس اینڈ ٹیوبز کے (For the purchase of tires and tubes etc) کے
 بارے میں ہے اس سلسلے میں ٹائرس اینڈ ٹیوبز کی خریداری اس میں ایک ہے
 کہ اس رقم کا زیادہ حصہ سروس کی خریداری میں ہوا ہے۔ یہ ہے کہ اس
 گورنمنٹ کے آئے کے ایکویٹی کی کار میں خریدی گئی ہے اس کار میں سے کسی کاروں
 سے ۸ ۹ ہزار کی رقم کی گئی ۲ مسٹروں کو ۲ کاروں و ۱۱ مسٹروں کو
 ایک راند اس طرح ۱۱ کاروں دی گئی ہیں اس کی ایک ایک ہے کہا ہے۔ اس کو بعد
 میں آپ کی حاجت روائی کے لیے اس میں سے کہ دراصل میں سے خرچے کیے گئے ہوں
 لیکن تاہم اس وقت سے گاڑیوں پر اس مال خریدے گئے ہیں کہ گاڑیاں ہی آئی ہیں اس
 طرح دو گاڑیاں اس لیے ہو گئے ہیں اب یہ ہے کہ ہم میں دراصل زیادہ دو کے
 کے عادی ہیں کچھ لوگوں کے پڑتال جاری ہے اس لیے اب بھی ہے کچھ لوگوں کے
 رندیک ہی میں حال دوے راند ہونے کی وجہ سے ورائڈ (Wear & Tear) (برس و
 راند ہوا ہے پرے تاہم اس کو پچھلے دو سال میں ری پلنس میں دے دیے ہیں
 اس میں سے کی ضرورت اس لیے اسلئے (Additional) (مزاد) (مزاد) ہوا
 ہے اس میں ایک ہے کہ اس میں (Anticipation) (انتہا) کے
 اسکوٹس (Budget Estimate) (بڈجٹ اسٹیمٹ) میں اس کا حساب
 کیا لیکن اس وقت سائنس کا انداز ہے ہوا کہ اسے جلد سے ٹائرس اور اس میں
 ہوا جائے ورائڈ کے لیے (Replace) (ری پلنس) کرنے کی ضرورت
 ہوگی اس سے ڈھکڑھکی ہوگی (Justification) (جسٹیفیکیشن) میں اس
 سے اس کے ساتھ اس میں ہے کہ اس میں بھی ہے لاکھ ہے۔ یہ کہ کوکم کرنے
 کرنے اس کی (Economy) (ایکونومی) کی ہے اور ہم اس طرح اس کی کوکشی
 کر رہے ہیں

ایک آمل میں سے کہا کہ (Peoples Government) (پپلز گورنمنٹ) راج
 کر رہی ہے ڈیموکریسی (Democracy) (ڈیموکریسی) (ڈیموکریسی)
 میں سٹرک کے قسم کے اصول چلے رہے ہیں ہوا چاہیے اس میں کینٹریج (Tolerate)
 (ٹولریٹ) (ٹولریٹ) کہا جاتا ہے جس میں ہے اور اس کے میں سے لپٹا کر

کے نظریے میں مری نے لکھی ڈیڑھ کروڑ سے سکار کا کارطرح (Wild animals) کے مجموعہ میں ہیں انا لکھی ڈیڑھ کروڑ سے بھی وا لڈا (Sanctuary) کو اہم دہائی کے گورنمنٹ میں اور سکھ واری (Tivo Yoni Plan) میں سائنس اور انڈا نے بھی اپنے نا وا رہائی (Sanctuaries) کا ہوا جب دلرڈا ہے ان ہا میں کو ڈارکھو (Directive) کے طور پر تمام اس میں بھانگا ہے ۴ سمجھا کہ میں میں ہیک سیرس (Shooting Centres) داخل ہیں ہیں غلط حال ہے گا یا سمجھا جائے نوآب (Alt) ایس (Palaces) ظہور میں سوسن (Cultural institutions) نا س اصول حاسکے ہمارے آرٹل دوسوں کے مطہ طرے نو عرف ماس کے بیٹ تھریے ور انکے کڑے کا سوال میں ڈیوکر ی ہے ای تمام درن اصول حرج سمجھی حاکر ہم کردا چاہیے ۴ حال غلط ہے ہم نے ڈیما کر ہی کے جس اصول کو مانا ہے اسی کے لحاظ سے ہم حل دے ہیں ولوڈی گورنمنٹ کے ریلے میں سکار کا کے ایک لاکھ ۹ ہزار کے ہلورڈ میں ہے (۲۲) کی بہت کی گئی جیلے سرور کر پاکہال اور نا گیلیم ان میں نمایاں پر کار کا میں ہے ان میں دو ہزار گھون کو نو لہ پانڈ (Disband) کردنا گیا ایک سکار کا ہاں ہے اسے کہ اس کے ملازمین مہلے کے ور ہرڈ جری (Hereditary) ہے جس تک کہ ان کی گرا جوسی (Gratuity) وعر کا مصعبہ جو انہیں ڈسبڈ میں کہا حاسکا نا اسلیے ان رو میں (Services) کو اکسڈ (Extend) کرنا وا اس اکسس (Extension) کی وجہ سے ر۴ حرج آتا ہے ور اسی کی منظوری حاسی جاری ہے

سری نیلم واسندو ۱۲ ع میں ورکل سرکار کے ریلے میں کرے
میں میں کہاں کہاں کار کھیلے ہیں ؟

سری بی رام کشن رائے ہمارے مسٹریس و ا میں (Non violence) پر عہدہ رکھتے ولے ہیں ان میں سے اکثر اور کم از کم میں اہی حد تک ۴ کہ سکا ہوں کہ میں ولوڈی چلا تا تک میں حاسا ہو سکا ہے کہ سب کے سب ۴ حاسے ہوں نا کوئی حاسا حاسے ہوں

سری وی ڈی ڈسپانڈے کم از کم ہوم مسٹر نو حاسے ہوئے
(Laughter)

سری بی رام کشن رائے و پولیٹیکل اور میں (Political Opponents) کا ہکار کرنا حاسے ہیں لکھی و بھی ولوڈی سے جس بلکہ کلڈ اور علم سے جس کے لیے کسی راند ریم کی ضرورت میں ہوں ان کے ماسا گرا (शास्त्राचार) کے مسٹر

اس بارے میں روای ۴ میں ۵ ان روای کو کامی جیس کے بعد راج رکھ
کی منظوری حاصل ہے اور ۱ ۲ ع کو میں نے لہجہ حاور کے سامنے پس
کہا ہے

CLAUSE 3 OF ART 920

All regulations made under the proviso to clause (80) by the President or the Governor or Rajpramukh of a State shall be laid for not less than fourteen days before each House of Parliament or the House or each House of the Legislature of the State as the case may be as soon as possible after they are made and shall be subject to such modifications whether by way of repeal or amendment as both Houses of Parliament or the House or both Houses of the Legislature of the State may make during the session in which they are so laid

نہ ا جیس حاور میں دے ہوئے میں نے حاور کے سل پر رکھا ہے جو اس آرٹیکل
کی رو سے لازمی کا گنا ہے

سری اے راج راجی سہرا کرے لہا نہا کہ اس کی کا ہاں بسم کی حاس
لیکن آج تک اس کی کا ہاں میں دی گئی ہیں

شری بی رام کس نہ کتاب راج کی حاسکی ہے اس کی کا ہاں حباب کر دے
د لہا ہنگی

شری وی ڈی دھانی کے کا ہاں دھانی نو حکن ہا کہ ہم اس میں
کچھ برسات پس کرتے لیکن اس وقت میں غلط نہیں میں رکھ کر ۴ کہا
ہا رہا ہے کہ چونکہ برسات ہیں نہیں کی گئی ہیں لہذا میں پہلک سرو میں کس کر
رہا (Refer) کرے کی ضرورت ہیں ہے ہاڑا احساس ۴ ہے کہ حسان نو حکن ہا
کہا گیا ہے تاکہ ہم کو غلط میں رکھا جائے

سری بی رام کس راڈ میں اس حارج (Refer) کو مسلم کرنے کے لیے
ہا رہا ہیں چونکہ چونکہ قانون غلط کی مدد میں کرنا (Laughter)
میں نے غلط میں ہیں رکھا میں نے صاف طور و صراحت کی ہے اس کے کلار
میں لکھا ہے کہ

Provided that the President as respects the All India Services and also as respects other services and posts in connection with the affairs of the Union and the Governor or Rajpramukh as the case may be as respects other services and posts in connection with the affairs of a State may make regulations specifying the matters in which either generally,

or in any particular class of case or in any particular circumstances it shall not be necessary for a Public Service Commission to be consulted

اس میں صاف الفاظ ہیں اگر ویسی سس (Session) میں آنر لی ممبر
رہنما لائے اور کانپوں کی کتاب کی جان ہو گا ان دلی جان اور رہنما
ہوسکتی ہیں

شری اسے راج رٹھی حکم ہو دناگا چاکہ گا ان جان کن و ہیں
دکھی

میری بی رام کس رائی آ مل سر کو کہا و ہ چاہے چاکہ ہم ہی
بھول گئے ہ میں سمجھا ہوں کہ اگر آنرل ممبر ہ ہولے ہوئے اور چاہے ہو
کانپوں کے ہالے میں ہاد دھانی کر کے رہنما اس کر سکتے ہیں کانپوں کے دے
امرار کہا جاسکتا تھا غرض ہ کوئی اسی جہ ہیں ہ کہ میں کوڑا اہست ہو
نیمری اسٹاٹسٹ (Temporary Establishment) کی بھلاوت ادی
گئی ہیں حکمی وجہ سے امانہ ہوا ہے وائے ہ ہے کہ سلسلہ بطور ناں لگی
ہیں کہا کنوں بخوری ہے گوڑ نمٹ کے کاروبار حلانے کے لیے اسکا کرنا ہی ژنا ہے
اس لیے میں آنرل ممبر سے چواہیں کرؤں گا کہ ہ اسے کٹ موس واپس لیکر
سپلیمنٹری گرانٹس کو بطور کرلیں

Mr Speaker I shall now put the motions for reduction of grants to vote

DEMAND NO 2 LAND REVENUE

TRAINING EXPENSES OF PROBATIONARY TAHSILDARS AND THE POLICY OF RECRUITMENT

Shri Anushrao Ghare Mr Speaker Sir I want my cut motion to be put to vote

Mr Speaker The question is

That the grant under Demand No 2 be reduced by Rs 100 The motion was negatived

PAYMENT FOR LAND ACQUIRED AT MALKAJGIRI

Shri Mohd Abdul Rahman I beg leave of the House to withdraw my cut motion

The motion was by leave of the House, withdrawn

Supplementary Demands for Grants 26th March 1958 1527

**DEMAND NO 7 GENERAL ADMINISTRATION GOVT
HQS OF MINISTERS & SECRETARIAT ESTABLISHMENT**

Shri Daji Shankar Rao I beg leave of the House to withdraw my cut motion

The motion was by leave of the House withdrawn

EXTENSION IN THE PERIOD OF SECRETARIAL EST

Shri Daji Shankar Rao I beg leave of the House to withdraw my cut motion

The motion was by leave of the House withdrawn

INCREASE IN THE COMPENSATION OF MINISTERS

Shri J Anand Rao Mr Speaker Sir I want my cut motion to be put to vote

Mr Speaker The question is

That the grant under Demand No 7 be reduced by Rs 100

The motion was negatived

**EXTENSION IN THE PERIOD OF TEMPORARY ESTABLISH-
MENTS IN VARIOUS SECRETARIAT DEPARTMENTS**

Mr Speaker Since Shri Ch Venkataswami Rao is not present in the House I shall put his cut motion to vote The question is

That the grant under Demand No 7 be reduced by Rs 100

The motion was negatived

DEMAND NO 12—FAMINT

FAMINT CONDITIONS IN BIRLA DISTRICT

श्री बालमराज देशमुख - स्पीकर सर मया बीकानेर जिले बिरला जिला माली मया बावट होते की फलत बावट पाणी बाणि मया बाबाच पुष्कळ आहे पण येथे तर वेळेचा घुडा पुष्कळ पडला आहे म्हणून मी बाजी बटमोवण मयाणा ठाकरो

Mr Speaker The question is

That the grant under Demand No 12 be reduced by Rs 100

1528 26th March 1958 *Supplementary Demands for Grants*

The motion was negatived

FUNDS FOR FAMINE RELIEF

Shri Sitpatrao Kadam I beg leave of the House to withdraw my cut motion

The motion was by leave of the House withdrawn

DEMAND NO 18—TERRITORIAL AND POLITICAL PENSIONS

Shri Annasrao Gavane I beg leave of the House to withdraw my cut motion

The motion was by leave of the House withdrawn

DEMAND NO 2 LAND REVENUE

GULBARGA DISTRICT ADMINISTRATION

Shri Sharangouda Inamdar I beg leave of the House to withdraw my cut motion

The motion was by leave of the House, withdrawn

DEMAND NO 12—FAMINE

FAMINE CONDITIONS IN GULBARGA DISTRICT

Shri Sharangouda Inamdar I beg leave of the House to withdraw my cut motion

The motion was by leave of the House withdrawn

Mr Speaker The question is

That the respective sums not exceeding the amount of Rs 19 95 922 in respect of Further Demands Nos 2 7 12 and 18 be granted to the Rajpramukh to defray the several charges that would come for payment during the course of the year ending the 31st day of March 1954 The Demands have the recommendation of the Rajpramukh

The motion was adopted

As directed by Mr Speaker the motions for Supplementary demands for grants as adopted by the House are reproduced below E D

SUPPLEMENTARY DEMAND No 2

That a sum not exceeding Rs 1 00 000 under Supplementary Demand No 2 be granted to the Rajpramukh to defray the several charges that would come for payment during the course of the year ending the 31st day of March 1954. The Demand has the recommendation of the Rajpramukh.

SUPPLEMENTARY DEMAND No 7

That a sum not exceeding Rs 1 11 222 under Supplementary Demand No 7 be granted to the Rajpramukh to defray the several charges that would come for payment during the course of the year ending the 31st day of March 1954. The Demand has the recommendation of the Rajpramukh.

SUPPLEMENTARY DEMAND No 12

That a sum not exceeding Rs 10 08 000 under Further Demand No 12 be granted to the Rajpramukh to defray the several charges that would come for payment during the course of the year ending the 31st day of March 1954. The Demand has the recommendation of the Rajpramukh.

SUPPLEMENTARY DEMAND No 18

That a sum not exceeding Rs 2 98 000 under Further Demand No 18 be granted to the Rajpramukh to defray the several charges that would come for payment during the course of the year ending the 31st day of March 1954. The Demand has the recommendation of the Rajpramukh.

Mr Speaker There are other Supplementary Demands the nature of which is practically the same as the further demands that were moved by the Chief Minister and were reserved for discussion on 30th. Shall we take up these things now?

Shri V D Deshpande The nature is not the same. Last year they were charged items and we could not vote on them.

Mr Speaker But the items are practically the same.
(Laughter)

Shri V D Deshpande But the nature is not the same.

1580 26th March, 1958 *Supplementary Demands for Grants*

Mr Speaker I would take up those supplementary Demands which were treated as charged items last year but which have now been changed to votable items for discussion and voting on the 80th inst along with the Further Demands. In the meantime if Members want to move motions for reduction of grants they may take them as stated previously.

We shall now take up the other supplementary demands of the Supply Minister.

(The Minister for supply Agriculture Planning & Legislature)
Dr Chenna Reddy Mr Speaker Sir I beg to move

That a further sum not exceeding Rs 1 08 829 under Supplementary Demand No 7 be granted to the Rajpramukh to defray the several charges that would come for payment during the course of the year ending the 31st day of March 1958. The Demand has the recommendation of the Rajpramukh.

Mr Speaker Motion moved.

That a further sum not exceeding Rs 1 08 829 under Supplementary Demand No 7 be granted to the Rajpramukh to defray the several charges that would come for payment during the course of the year ending the 31st day of March 1958. The Demand has the recommendation of the Rajpramukh.

Dr Chenna Reddy I beg to move

That a further sum not exceeding Rs 21 89 956 under Supplementary Demand No 11 be granted to the Rajpramukh to defray the several charges that would come for payment during the course of the year ending the 31st day of March 1958. The Demand has the recommendation of the Rajpramukh.

Mr Speaker Motion moved.

That a further sum not exceeding Rs 21 89 956 under Supplementary Demand No 11 be granted to the Rajpramukh to defray the several charges that would come for payment during the course of the year ending the 31st day of March 1958. The Demand has the recommendation of the Rajpramukh.

Dr Chenna Reddy I beg to move

That a further sum not exceeding Rs 4 29 000 under Supplementary Demand No 14 be granted to the Rajyamukh to defray the several charges that would come for payment during the course of the year ending the 31st day of March 1958 The Demand has the recommendation of the Rajyamukh

Mr Speaker Motion moved

That a further sum not exceeding Rs 4 20 000 under Supplementary Demand No 14 be granted to the Rajyamukh to defray the several charges that would come for payment during the course of the year ending the 31st day of March 1958 The Demand has the recommendation of the Rajyamukh

Mr Speaker I shall now take up the motions for reduction of grants

INCREASE IN THE FOOD SUPPLY

Shri B D Deshmukh (Bhokardan General) Sir I beg to move

That the grant under Demand No 11 be reduced by Rs 100

Mr Speaker Motion moved

That the grant under Demand No 11 be reduced by Rs 100

Dr Chenna Reddy Mr Speaker Sir I would like to mention that the motion for reduction of grant is not very clear This is a question of money already spent and I am at a loss to understand what useful purpose will be served by discussing about the increase in the food subsidy at this stage

Mr Speaker Let the hon Member say what he has got to say

میری بی ٹی ڈسٹریکٹ میں آج ہمارے سامنے فوڈ سبسڈی (Food Subsidy) کے مسئلہ میں سلامتی گرانٹ کے طور پر حوالہ دیا گیا ہے اس کے بارے میں مجھے کچھ عرض کرنا ہے اصولاً جب کوئی گرانٹ یا سبسڈی فوڈ کے مسئلہ میں دیا جاتا ہے تو اس کا کوئی سوال پیدا نہیں ہوتا لیکن اس میں کچھ

لازمی تھا کہ چونکہ ہمارے ملک سے اسے حیدرآباد اور مکران آزاد کے کارول رجسٹری ہو گیا اور مارکٹ ٹھہلا ہو گا۔ غلہ کی ملائی کی حدودہ داری حکومت پر ہی اوپر سے نہیں حکومت سکون ہو گی دوسری طرف عوام کی ر و داری ڈانڈی گئی کہ یہ سانا مہنگا ہے تاکہ بھی ہوا۔ ہمارا نظام ڈانڈی اسانہ ہونے کے باوجود اب پھر (۲۸) لاکھ کا خرچ ہمارا رہا ہے آخر وہ ہسپتالوں کا جب اس کا حساب میں نے معلوم کرنے کی کوشش کی اور جہاں میں کی تو معلوم ہوا ہمارے سلائی ڈپارٹمنٹ میں اندھیر نگر کی ہوٹل رح حل رہا ہے اسکی ایک سال میں ہاور کے سامنے اس کروڑ کا مجھے معلوم ہوا ہے (مستحق ہے کہ مری علاج غلط ہو) کہ (۸) لاکھ کا ہو گھبروں اس کے سے منگو گا دھا وہ ماکارو اب ہوا اس طرح (۱۸) لاکھ کا مار ہوا۔ کہتے کے سامنے بھی حالانکہ سلائی مسٹر صاحب نے اس (۸) لاکھ کی پانہ پروموتل پس کیا ہے صرف حیدرآباد کے کاروبار کے جعلی بلکہ جسی بھی ہزاری حکومت میں اون کے سلسلہ میں ہی عام طور پر یہ امر اس کا حانا ہے کہ آپ کا سلائی ڈپارٹمنٹ ایک جس دما دارانہ طرفہ پر عمل کرتا ہے میں ہاور کے سامنے یہ خبر بھی رکھا جا رہا ہوں کہ ہمارے پاس کے ٹیکس اور ڈیوٹی کے رح میں کیا بڑا تناوب ہے میں نے اس سلسلہ میں حکومت حیدرآباد کی رپورٹ پانہ سے معلوم کرنے کی کوشش کی تو یہ حلاکہ حائل کا کلکس رٹ میں (۸) (۲۱) روپہ ہے اور یہ روائٹ رٹ جو سے ۲ ۲ ح کا امانہ شدہ رٹ ہے (۸) (۲) روپہ یعنی ان پلہ آئے روپہ کسومر سے راند لیے جا رہے ہیں اور حکومت کو آئے روپہ ان میں سے ہیں بعد حوار کے سلسلہ میں جب میں نے معلوم کرنے کی کوشش کی تو معلوم ہوا کہ مار پروکوریٹ رٹ میں (۸) (۲) روپہ ہے لیکن کسومر میں جو دیا حانا ہے وہ (۸) (۲۱) روپہ میں کے حساب سے دیا حانا ہے گویا پلہ میں سات روپہ کا مبالغہ مل رہا ہے براری حوار کا پروکوریٹ رٹ (Procurement Rate) میں (۸) (۲) روپہ ہے کسومر کو خود ا حانا ہے (۲) میں کے حساب سے اس طرح معلوم ہونا ہے کہ غذائی کاروبار میں حکومت کو جس معمولی مبالغہ حاصل ہو رہا ہے اسی میں ہیں بلکہ جس مبالغہ پر چھپ گرس مبالغہ جلتے جاتے ہیں اور جس کے معلوم کیا حانا ہے کہ وہ اس کے علاوہ میں سی دوکانات جاری حان میں اس لیے حساب میں یہ دوکانات حل رہی ہیں وہاں بھی پروکوریٹ رٹ (Procurement Rate) سے کم قیمت پر حلہ میں دیا حانا میرے ہی علاقہ میں جہاں سے غلہ کی دوکان ہے مہنگی قیمت پر حوار دھائی ہے حالانکہ ان پلہ آئے کو آئے تو روپہ مبالغہ ملتا ہے ایک طرف سہائی ڈپارٹمنٹ کے اسٹانڈرڈ کے لیے (۸) (۲) روپہ مانگے جاتے ہیں لیکن بلکہ سہلہ کے طور پر ہی (۲۱) لاکھ مانگے جاتے ہیں اور دوسری طرف غلہ کے معاملہ میں جس طرح کام کیا حانا ہے جس میں کیا حانا حکومت انک طرف تو غلہ جمع کرنے اور سہائی کرنے کی دہہ داری سے سکون نہیں ہو گی ہے اور دوسری طرف بلکہ ہمارے ہمارے مانگے جاتے ہیں

پھر کہے : بصورتِ حالے کہ ہماری حکومت عوامی مسئلے کے سلسلہ میں دسمندی سے زیادہ حرج گزر رہی ہے۔ صرف ایک نام الیہ میرورکھی جی ہے کہ ہم نے (۸) ہزار ۱۱ حواریاں بھیجی۔ آرڈرل مسٹر اصحارج نے جنرل ٹیکس کے دوران میں کہا تھا کہ ہمارے پاس حواریوں کا سروہ ہے ۴۱ ما ۱ ہوں کہ ناہر سے حواریوں کو گوانا جا رہا ہے۔ لیکن داسمندی نو اس میں بھی کہ حواریوں کو ناہر بھیجا گیا۔ اس کے سادہ کے طور پر کمپنل رٹ پر حواریوں کو حاصل کرے ۱۱ ما علیہ ہاں حرج کرے کی کوپس کی جاتی اسکے رکھیں ۴ ہامی ملائی گئی کہ لاکھوں کا حصار بھیج کر ناہر سے حواریوں کو گوانا گیا۔ میں کہوں گا کہ ۴ صحیح طریقہ ہیں اور ۱۱ مسٹر کو اس طرح بوجہ کریں جاہر

سائنسری گراٹ کے سلسلہ میں جو صحاح کی گویا ۴ ۵ ۶ ۷

The third item of Rs 21 89 956 is due chiefly to the increase in the food losses which are now expected to Rs 2 88 57 200 as against the budget estimate of Rs 12 85 719. Out of this excess of Rs 25 71 481 Rs 4 81 525 will be met by reapportionment of savings under other minor heads and the balance of Rs 21 89 956 is required as a supplementary grant.

یو نہ گویا شبہ ہے ہمارے ساری ذراجمتے کا نہ صرف (۲) لاکھ طلبہ کے ساتھ
ہی بلکہ (۲) لاکھ کا سوئگیں میں سے مطالعہ کیا جا رہا ہے ان حالات میں یہی
ہاؤز سے مطالعہ کروں گا کہ جو سہ ماہی ڈیٹا آ رہا ہے اوس پر حور کیا جائے اور ہاؤز
کے سامنے جو رقم ہے اوسکی بحالہ کی جائے

شری وی ڈی دشیپاڈے میں کوئی طور و رسم کروڑا لیکن آرمل منسٹر فار سپلائی سے یہ معلوم کرنا چاہوں کہ جب کے اندر جو (۳۸) لاکھ کی رقم وڈ سٹیڈی کے بے رکھی گئی ہے لوں کے بعد وہی کہیں بھی کسی رپورٹ میں مصیبت میں ہیں کہ نہ (۳۸) لاکھ کی ضرورت کسی وجہ سے ڈی کا اس کی وجہ سے کہہ کہ حوالہ جی صحت پر حردا گیا اوس سے کم صحت پر عوام کو روجت ہوا جس کی وجہ سے ڈ صحت (Deficit) ہو جائے چلے یہ سسٹمی حکمت مذہبی بھی کہ اب ہم یہ (۳۸) لاکھ سٹی رہے ہیں جو میں اس کی مصیبت معلوم کرنا چاہا ہوں کہ یہ رقم کسے خرچ کی جائیگی پچھلے سال ہیموں میں اضافہ ہوا اس کی وجہ سے اس کی کو کسے روزا کا گیا اور کھروں کے رجاست ہونے سے جو سوئگیس (Savings) ہوں وہ کیا کی گئی اس کی مصیبت ہاؤز کے سانس لے ضروری ہوں آر ل جف مسٹرے وعدہ کیا تھا اسی اسی یہ ہوا کرن گی اور ہاؤز کے اس جانب کے لوگوں نے اس واسطہ طرک اب (Walkout) ہی کیا تھا کہ مصیبت میں ہائی اس لیے مجھے یہ کہا ہے کہ سسٹمی کے بارے میں حلوں و ایس (New Items) رکھے گئے ہیں اول کی مصیبت بلی چاہیے

آخری آم حوالہ اس کی تفصیل ہی ہم دہلی جا رہے تاکہ ہم علوم کریسٹن کہ کسی دن کی وجہ سے حصار اور مصلح ہو پ کسی آمدنی مل ہوگی اگر اس قسم کی مصلحت نہ دی جاسکی وہیں ہیں بھلا نہ ریل ممبروں کے اس سائڈ (Side) کے دن نا جائے وہ نا لے کے دے ای رے دے سکتے ہو کہ ہمارا ہال تاکہ بھلا لے لے دی گئی و دو ی طرف را یک ویر کی کل دہ داربان کم ہوگی اس لیے اس میں جب نا کن ہا او ڈیسٹ کو پورا کرنا ممکن ہا لکن و نا ہیں ہوا لکنہ لئی رہ کر اب (ہم) لاکھ روپہ ہوگی ہے جب اما یہ ہم دوجہ لرا رہا ہے تو ہم کو نہ ہی دیکھا ہے کسی کی غلطی ہے یہ مصلح ہوا اوں کے علاو ایک سکنہ ہاور میں کسی گئی کہ ہے گہوں میں (ہم) لاکھ کا مصلح ہو کر یہ مصلح ہو پور ممبر مصلح کی کار کردگی پر ایک جب پڑا دہہ مصلح ہا سکا اس لیے ہی سر صا یہ ہے کہوں کا کہ وہ ان کی مصلحت و ن لرا تاکہ ہم اس کے مصلح کوئی رے عام کریسٹن

ڈاکٹر حار دلی ممبر اسکرپر میرے حوالہ ممبری ڈیما میں ہاور کے سامنے ہیں وہ ممبر ہیں جس سگی حروں کے مصلح ہروں میں لرا کیا ہے میں اوں کے مصلح مصلحت عرض کروں گا اگر اوں پر ریلنگ و (Realistic View) سے ہو کر ہا ہے تو ہندوستان طور پر سکن دہہ مجھ پر لکھے کے مصلح ہو کر ہا ہوگی مصلح آؤں میں فرما سکتے ہیں سے جلیے تو مجھے لوٹا سسٹمی کے مصلح عرض کرنا ہے میرے ایک دوست نے فرمایا کہ سلائی ڈپارٹمنٹ (Supply Department) میں دہہ داربانہ طورہ پر عمل کر رہا ہے اور اس میں کو بھی میں دہہ داربانہ طورہ پر استعمال کرے گا جس میں دہہ داربانہ طورہ سے ہمارے دوست شری دیپنک نے ان الفاظ کو استعمال کیا ہے میں اوں کو استعمال کرنا موثر ہیں مصلح ہا ممکن ہے کہ اوں نے ناکافی معلومات کو سامنے رکھ کر غلط فہمی میں کہنا ہو کہ سلائی ڈپارٹمنٹ میں دہہ داربانہ طورہ سے کام کر رہا ہے یہ حیرت میں ہے کہ انہیں محسوس ہو کہ حوالہ میں نے اس کا کہنا گزرتا سال جب میں لاکھو گیا تھا تو وہاں کے ایک بزرگ آؤلسٹ کے بڑے ورر (البتہ وہ کمرسی ہیں) ضروری سکلا جب اوں سے اس سلسلہ میں بات نہ ہوئی تو اوں نے کہا کہ آپ تو مارواڑی سے بھی پڑھ گئے گزرتا سال ہم نے ان سے حوالہ حاصل کی تھی یہ حیرت میں ہوتا () کے ساتھ عرض کرنا چاہا ہوں کہ ہم غلط کے معاملہ میں جس لحاظ سے کام لے ہیں ساتھ پورے ہندوستان میں بھی ای احیاء ہیں کی حای خصوصیات کے ساتھ جان علہ کے سلسلہ میں احیاء کی حای ہے اوں کا ریر جس ٹیسٹ (Refraction Test) کیا جاتا ہے اور جہاں کہیں سے انج حاصل کیا جاتا ہے اوں کے مصلح سائنس کا آپریشن (Scientific Apparatus) وغیرہ سے ٹیسٹ (Test) کر کے غلط حاصل کیا جاتا ہے اس لیے نہ کہنا

کہ حد درجہ کا سلی ڈائریکٹ کل اساط کے ساتھ کام میں کر رہا ہے۔ یہی وجہ ہے جہاں ہو رہا ہے غلط فہمی اور ناگوار معلومات پر مبنی ہے۔ میں بریل لیڈر آف دی اوپوزیشن (hon. Leader of the Opposition) کے اس حال سے متعلق ہوں کہ اجراءات و روئے کے متعلق وہیے مصالحت اور ورا پکھر (Picture) ہاور کے سامنے آنا چاہیے کہ وہ اس کی وجہ سے جو کچھ سامنے ہوئے ہیں ان میں خود بخود کمی و حاجت کی آری لیڈر دی ہاور نے فرمایا ہے کہ ہند سے اس کا انتظام کیا جائیگا۔ میں سمجھا ہوں کہ ان کے کہنے کے بعد جو وعدہ گزرا و اس قدر کم ہے (صرف حد سے) کہ اس پر ہی عمل کرنا ممکن نہیں ہے۔ میں واقعی اس پر افسوس کرتا ہوں کہ جسے معلومات ہاور کو ملنے چاہیں ہیں ملنے میں آئیے ڈائریکٹ کی حد تک خاص طور پر اس بات کی کوشش کروں گا کہ اس سلسلہ میں ورا پکھر ہاور کے سامنے رکھا جائے۔

دوبری خبر ہے کہ جو عہدہ ہم پر عائد ہوا ایسی وجہ سے آرٹیکل میں
آج دی جانے والی (hon Members of the House) کو ادا کرنا چاہا ہوں
وہ ہے کہ اس وقت میں ہم صرف دو اوس حوالہ دے رہے ہیں لیکن یہ مقدار ناگاہی
بھی اس لئے اس بات کی کوشش کی گئی کہ زیادہ حوالہ دیا جائے تاکہ اب اس کو قیام
پالسی کہیں میں اس کے (Adjectives) میں جانے کی ضرورت
ہو جس سے اس کے علاوہ حکومت حیدرآباد کے بعض مقامات پر راسخ کو پرچاس
گردنا اگر حکم و مقامات کے مابین عدد میں جب ہے لیکن یہ الحظ و راسخ
تجارتی گا (پ) پرسٹ ہی میں تھا اس کے (م) سو پرسٹ حوالہ کے کوہ میں
امالہ کی ضرورت بھی اس طرح حوالہ کی وجہ سے جانے ڈھارٹ کو بعض پرچاس
کرنا پڑا۔ یہاں سے جو حوالہ ہم نے نکالا (پ) وہ آج ہی میں
میں حاور کو میں دانا چاہا ہوں کہ عموماً حکومت کو یہ پرچاس کرنا ڈا
پرسٹ اور (پ) (م) وہاں میں اس قدر زیادہ میں
ماتول کی پوری مقدار ملنا مشکل تھا۔ اس حد تک جو عہدہ ہوا وہ آج کے مابین

حوار کی حد تک میں جاوڑ کو پوری ذمہ داری کے ساتھ اس کا ہنس دلاتا چاہتا ہوں کہ اس میں یک پائی کا بھی مہمان ہیں ہوا کیونکہ ہم نے جو جوار باہر بھیجی ہے اس کی قیمت میں پروکوریسٹ چارجس (Procurement Charges) اور اسٹابلیشمنٹ چارجس (Establishment charges) ہی لگائے گئے ہیں جاری حکومت نے اسی فاسی ہلانے کے لیے خود کا مہمان کر لیا ہے د اے اے مجھے اس کا احساس ہے کہ ہماری کسی انتہا (Charity begins at home) کو ہمارے ریل منڈل جیسے (Traditional Charities) میں ازبکستان سمجھا ہوا آئریل منڈل میں آئی دی اپوزیٹ ہیں جو اس کو سمجھ سکتے ہیں کی اس حد تک یہ ہے رائے روانہ کا فعل ہیں رکھا ہے

1540 26th March 1958 *Supplementary Demands for Grants*

Rajpramukh to defray the several charges that would come for payment during the course of the year ending the 31st day of March 1958

The motion was adopted

(As directed by Mr Speaker the motions for Supplementary Demands for grants as adopted by the House are reproduced below—E D)

DEMAND No 7— ELECTION CHARGES AND LEGISLATIVE ASSEMBLY

That a sum not exceeding Rs 1 08 829 under Demand No 7 (Election Charges and Legislative Assembly) be granted to the Rajpramukh to defray the several charges that would come for payment during the course of the year ending the 31st day of March 1958

DEMAND No 11—FOOD SUBSIDY

That a sum not exceeding Rs 21 89 956 under Demand No 11 (Food Subsidy) be granted to the Rajpramukh to defray the several charges that would come for payment during the course of the year ending the 31st day of March 1958

DEMAND No 14—68 B COMMUNITY DEVELOPMENT PROJECTS

That a sum not exceeding Rs 4 29 000 under Demand No 14 (68 B Community Development Projects) be granted to the Rajpramukh to defray the several charges that would come for payment during the course of the year ending the 31st day of March 1958

Shri V D Deshpande Before the House adjourns for the day I want to bring to the notice of the House Rule 170 of the Hyderabad Legislative Assembly Rules which runs

When a demand or any part of it relates to any new scheme or revision of scales of pay or allowances or creation of a new appointment all material details of such scheme or revision or appointment shall save in special circumstances be supplied to all Members at least three clear days before the demand is made

میرا اصرار پوری کارڈر (Three clear days) کے بارے میں ہے
میں اس کتاب اور یہ ڈھار، اس او 11 (Appointments)
کے بارے میں معلومات ہیں یہی ہیں روبرک ای دی اس کتاب ف نے اس آلہ التوسی

Supplementary Demands for Grants 26th March 1958 1541

کے رہے ہیں ہمارے ساتھ جو اس آئے ہیں۔ ان کے اس کے جلیقہ ورا
 مواد ہاوس کے آئے تاکہ مصالحت رات کرنے کی ہو وہ بھی نہ دیا
 اور اس کی روسی میں ہم کہہ رہے ہیں کہ ان کو ایسی کے ساتھ کہ
 جی کریں ہمیں بوجھ ڈالو (Watch dog) کی۔ یہ ہے ہم
 عوام کے لئے دے رہے ہیں کہ (Check) ڈالنا ہمارے

Mr Speaker Of course the details as far as possible
 will be supplied

Shri V D Deshpande All material details the words
 are very clear in the rule

At 7.48 p m the house then adjourned till Five of the Clock on
 Friday the 27th day of March 1958
